door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 14 | गुवाहाटी | शनिवार, 10 अगस्त, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सभी सदस्य, सदन की गरिमा और प्रतिष्ठा को और बढ़ाने के लिए कार्य करें : लोस अध्यक्ष पेज 2
बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे केंद्र सरकार : ब्रजज्योति शर्मा पेज 3
बांग्लादेश में हिंदुओं पर हिंसा के विरोध में भीलवाड़ा में प्रदर्शन, व्यापारिक ... पेज 5
पेरिस ओलंपिक : समापन समारोह में भारतीय दल के ध्वजवाहक होंगे मनु भाकर ... पेज 7

शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

सुप्रभात

आदमी अपने जन्म से नहीं अपने कर्मों से महान होता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

पाकिस्तान में भी शुरू हुई हिंसा, सात की मौत और 11 घायल

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में शुक्रवार को बड़ा आतंकी हमला हुआ है। पाकिस्तान तालिबान से जुड़े आतंकवादियों ने एक सुरक्षा चौकी को निशाना बनाया। हमले में सात सुरक्षाकर्मियों की मौत हुई और 11 अन्य घायल हैं। अधिकारियों के मुताबिक हमला पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर स्थित तिराह घाटी में हुआ। हाफिज -शेष पृष्ठ दो पर

17 महीने बाद जेल से बाहर आए सिसोदिया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से आबकारी घोटाला से जुड़े मनी लान्ड्रिंग व भ्रष्टाचार मामले में जमानत मिलने के बाद अब दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जेल से बाहर आ गए हैं। बता दें कि मनीष सिसोदिया अभी सीएम अरविंद केजरीवाल के घर जा रहे हैं। इसके बाद वे अपने घर जाएंगे। सिसोदिया शनिवार को मंदिर में दर्शन करने जाएंगे। वहीं, मनीष सिसोदिया के -शेष पृष्ठ दो पर

अगले 10 सालों में गुवाहाटी में बाढ़ की स्थिति और होगी खराब : सीएम

गुवाहाटी। शहर में लगातार हो रही बारिश के कारण लगभग हर दूसरे दिन शहरी बाढ़ से जूझ रहे गुवाहाटीवासियों के बीच, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज कहा कि अगर मेघालय में पहाड़ियों की कटाई जारी रही तो अगले दस सालों में शहर में बाढ़ की स्थिति और खराब होने की आशंका है। मुख्यमंत्री शर्मा ने आज गुवाहाटी में एक कार्यक्रम के दौरान संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि अगर मेघालय में और अधिक पहाड़ियों की कटाई की गई और गुवाहाटी में उचित जल निकासी व्यवस्था नहीं की गई तो अगले दस सालों में गुवाहाटी में बाढ़ की स्थिति और खराब हो जाएगी। अपने रुख को दोहराते हुए कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेघालय (यूएसटीएम) गुवाहाटी की बाढ़ की स्थिति के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार है, मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि हमारे पास 2011 और 2016 की यूएसटीएम की सैटेलाइट तस्वीरें हैं। इन तस्वीरों से कोई भी वहां होने वाली तबाही का अंदाजा लगा सकता है। मुख्यमंत्री शर्मा ने आगे कहा कि इलाके में पांच सितारा होटलों और स्कूलों के निर्माण ने स्थिति को और खराब कर दिया है। इस मुख्यमंत्री शर्मा ने आगे कहा कि हमारे शहरी नियोजन में, हमने कभी भी खानापाड़ा पहाड़ियों के विनाश पर विचार नहीं किया। अब, हमें मेघालय में काटी जाने वाली पहाड़ियों की मात्रा के आधार पर अपनी योजना को फिर से बनाना होगा। यह एक नई समस्या है और इसके लिए निश्चित रूप से वैज्ञानिक समाधान की आवश्यकता होगी। हमें इस पर चर्चा करने की आवश्यकता होगी। 5 अगस्त को, गुवाहाटी ने भारी बारिश और पड़ोसी राज्य मेघालय से आने वाले बारिश के पानी के कारण सबसे खराब बाढ़ का सामना किया, जिससे पूरा शहर थम गया। समस्या से निपटने के तरीकों के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि हमें इस समस्या का समाधान खोजने के लिए विशेषज्ञों से परामर्श करने की आवश्यकता होगी। मेघालय में पहाड़ियों की कटाई जारी रहेगी और हम यह अनुमान नहीं लगा सकते कि अगले दस वर्षों में कितनी पहाड़ियां कट जाएंगी। इसलिए, हमें शहर की नालियों और सीवरों का निर्माण उसी के अनुसार करना चाहिए। हमें नालियों को चौड़ा करना होगा और इसके लिए जनता को भी सहयोग करना होगा।

असम कैबिनेट बैठक में लिए गए कई अहम फैसले

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार की कैबिनेट की आज हुई बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। बैठक में गणित के स्नातक शिक्षकों की नियुक्ति, बीटीआर में 16 नए गांव शामिल किए जाने के साथ ही कई अहम फैसले लिए गए। कैबिनेट बैठक के अंत में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि स्कूलों में गणित के स्नातक शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। गणित के 1,766 शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग कॉलेजों में 221 पदों पर भर्ती की जाएगी। तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों पर 221 लोगों की नियुक्ति की जाएगी। कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर के सीमावर्ती टेंग्नौपाल जिले में गोलीबारी, चार की मौत

इंफाल (हि.स.)। भारत-म्यांमार सीमा पर स्थित मणिपुर के टेंग्नौपाल जिले के मोलनोम में शुक्रवार सुबह हुई गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई।गोलीबारी दो अलग-अलग स्थानों मोलनोम पलेल और मोलनोम में हुई। यह गोलीबारी में प्रतिबंधित विद्रोही समूह, यूनाइटेड कुकी लिबरेशन फ्रंट (यूकेएलएफ) और गांव के स्वयंसेवक शामिल थे। पुलिस ने बताया कि हिंसा एक आंतरिक विवाद से शुरू हुई और बाद में गोलीबारी हुई। -शेष पृष्ठ दो पर

इधर कंटीले तार, उधर भारत में घुसने को तैयार बांग्लादेश हिंदुओं की भीड़

नई दिल्ली। पड़ोसी देश बांग्लादेश में उथल-पुथल का दौर जारी है। प्रदर्शनकारी वहां हिंदुओं को भी टारगेट कर रहे हैं। ऐसे में बांग्लादेश में रहने वाले हिंदू भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर कूचबिहार जिले के कंटीले तारों के दूसरी तरफ एकत्र हो गए हैं। हालात को देखते हुए इलाके में बीएसएफ की 157 बटालियन के जवानों को तैनात किया गया है। बता दें कि बांग्लादेश में रहने वाले हिंदू कंटीले तारों से करीब 400 मीटर दूर गैबंडा जिले के गेंडुगुरी और दैखवा गांवों में एकत्र हो गए हैं। शुक्रवार सुबह से ही ये लोग खड़े हुए हैं। दूसरी ओर कूचबिहार में कंटीले तारों के पास शीतलकुची के पठानटुली गांव में पर्याप्त संख्या में बीएसएफ के जवान तैनात किए गए हैं और लगातार गश्त की जा रही है। बीएसएफ के जवान कड़ी निगरानी रख रहे हैं। इस बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बांग्लादेश में चल रही स्थिति के मद्देनजर मोदी सरकार ने भारत-बांग्लादेश सीमा (आईबीबी) पर मौजूदा स्थिति की निगरानी के लिए एक समिति गठित की है। यह समिति बांग्लादेश में अपने समकक्ष अधिकारियों के साथ कम्युनिकेशन चैनल बनाए रखेगी, ताकि वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों, हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इस समिति की अध्यक्षता एडीजी, सीमा सुरक्षा बल, पूर्वी कमान करेंगे। समिति के अन्य सदस्यों में महानिरीक्षक (आईजी), बीएसएफ फ्रंटियर -शेष पृष्ठ दो पर

नीट-पीजी परीक्षा स्थगित करने से एससी का इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 11 अगस्त को होने वाली नीट-पीजी परीक्षा को स्थगित करने की मांग से संबंधित याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। कोर्ट ने इस दौरान कहा कि पांच छात्रों के लिए दो लाख छात्रों के करियर को खतरे में नहीं डाला जा सकता है। वहीं, इस मामले पर सुनवाई करते हुए प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि हम ऐसी परीक्षा को कैसे स्थगित कर सकते हैं। श्री संजय हेगड़े, आजकल लोग बस परीक्षा स्थगित करने के लिए कहते हैं। यह एक -शेष पृष्ठ दो पर

अगर हम सब नहीं चेते तो असम में बन जाएंगे कई मिनी बांग्लादेश : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (एजे/हि.स.)। असम का लगभग हर जिला मिनी बांग्लादेश बन गया है। पड़ोसी बांग्लादेश के बारे में तो सभी जानते हैं। वहां हिंदुओं पर कैसे हमले हुए हैं। शुक्रवार को एक बार फिर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा हिंदुत्व के मुद्दे पर मुखर नजर आए। शर्मा ने दावा किया है कि असम में मुसलमानों की संख्या बढ़ रही है और हिंदुओं की संख्या घट रही है। उन्होंने बांग्लादेश में हाल की सांप्रदायिक स्थिति को देखते हुए असम में हिंदुओं के भविष्य पर चिंता व्यक्त की। आज बांग्लादेश में हिंदुओं की जनसंख्या सिर्फ 8 प्रतिशत रह गई है। देखिए वहां कितना उत्पात हो रहा है। असम में ऐसे कुछ जिले हैं जहां हिंदू जनसंख्या सिर्फ 12 प्रतिशत रह गई है। लेकिन हमारे मंदिर और महिलाएं इसीलिए सुरक्षित हैं क्योंकि सबको पता है कि असम में किसकी सरकार है। शुक्रवार को गुवाहाटी के रुक्मिणीगांव के तंगरा सत्र में भक्त और भोजन गृह के उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लेते -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम-असम के मंत्रियों ने की वार्ता सीमा विवाद दूर करने के लिए करेंगे पहल

एजल। मिजोरम असम के बीच लंबे समय से चल रहे आ रहे सीमा विवाद को लेकर दोनों राज्यों के मंत्रियों ने वार्ता की। इस दौरान विवाद को दूर करने के मिलकर काम करने पर सहमति बनी। दोनों राज्यों के प्रतिनिधिमंडल के बीच एजल में हुई बैठक में तमाम मुद्दों पर चर्चा की गई। पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम और असम के बीच सीमा विवाद को सुलझाने के लिए पिछली बैठक नवंबर 2022 में गुवाहाटी में हुई थी। शुक्रवार को हुई बैठक में असम के प्रतिनिधिमंडल में सीमा सुरक्षा और विकास मंत्री अतुल बोरा और मिजोरम से गृहमंत्री के सपदांगा ने भाग लिया। अगस्त 2021 में के बाद दोनों राज्यों के बीच चौथी बार और जोरम पीपुल्स मूवमेंट के दिसंबर में सत्ता में आने के बाद यह पहली वार्ता हुई थी। मिजोरम और असम के बीच काफी समय से सीमा विवाद चला आ -शेष पृष्ठ दो पर

ईसी ने जम्मू-कश्मीर में विस चुनाव की तैयारियों के लिए बैठक की

श्रीनगर (हि.स.)। चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिए शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव और केंद्र शासित प्रदेश के पुलिस प्रमुख के साथ विचार-विमर्श किया। अधिकारियों ने बताया कि अपने दौरे के दूसरे दिन मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एसएस संधू वाले चुनाव आयोग के प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव अटल डुल्लू और जम्मू-कश्मीर पुलिस के डीजीपी -शेष पृष्ठ दो पर

सीएए के तहत नागरिकता के आवेदकों को आ रहीं दिक्कतें

जरूरी दस्तावेजों पर सरकार ने जारी किया स्पष्टीकरण

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के तहत जारी नियमों पर स्पष्टीकरण जारी किया। सीएए के तहत अफगानिस्तान, बांग्लादेश या पाकिस्तान से आने वाले उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता दी जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने घोषणा की कि केंद्र या राज्य सरकारों या भारत में अर्ध न्यायिक निकाय की ओर से जारी जारी ऐसा कोई भी दस्तावेज स्वीकार किया जाएगा, जो यह साबित करता है कि माता-पिता, दादा-दादी या परदादा- परदादी तीनों देशों में से किसी एक के नागरिक हैं या थे। गृह मंत्रालय का स्पष्टीकरण नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 के तहत भारतीय नागरिकता की मांग करने वाले कई आवेदकों को 2024 -शेष पृष्ठ दो पर

धनखड़ को पद से हटाने के लिए विपक्ष लाएगी अविश्वास प्रस्ताव

नई दिल्ली। विपक्षी दल उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को पद से *हटाने* के लिए उनके खिलाफ संविधान के अनुच्छेद 67 के तहत प्रस्ताव लाने की खातिर नोटिस देने पर विचार कर रहे हैं। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने यह भी बताया कि इस नोटिस के लिए 87 सांसदों ने हस्ताक्षर भी कर दिए हैं। अनुच्छेद 67 (बी) के तहत उपराष्ट्रपति को राज्यसभा के सभी तत्कालीन सदस्यों के बहुमत से पारित और लोकसभा द्वारा सहमत एक प्रस्ताव के माध्यम से उनके कार्यालय से हटाया जा सकता है। हालांकि -शेष पृष्ठ दो पर

लोस और रास अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, वक्फ बिल के लिए जेपीसी का गठन

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र खत्म हो गया है। आज लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। नई सरकार के गठन के बाद इस सत्र में बजट भी पेश किया गया। दोनों ही सदनों में बजट को लेकर ही ज्यादातर चर्चाएं हुई हैं। हालांकि इस सत्र के दौरान कुछ मुद्दों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने भी रहे। आखिरी दिन भी राज्यसभा में वार-पलटवार का दौर देखने को मिला। जबकि इसी सत्र में जाति को लेकर लोकसभा में जबरदस्त तरीके से बवाल हुआ था। आज की कार्यवाही शुरू होने के साथ ही दोनों सदनों ने ओलंपिक में मेडल जीतने वाले नीरज चोपड़ा और भारतीय हॉकी टीम को बधाई दीं। वहीं लोकसभा में भारतीय वायुयान विधेयक 2024 को मंजूरी दे दी गई। चलिए आपको बताते हैं कि आज कार्यवाही में क्या कुछ हुआ। अठारहवीं लोकसभा के दूसरे सत्र की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई जिसमें केंद्रीय बजट 2024-25 को मंजूरी देने की प्रक्रिया संपन्न -शेष पृष्ठ दो पर

लड़कियों की शादी की उम्र घटकर सिर्फ 9 साल!

इराक में प्रस्तावित कानून पर मचा बवाल

नई दिल्ली। इराक की संसद में लड़कियों की शादी की उम्र को लेकर एक बिल पेश किय गया है। अगर संसद से बिल पारित हो जाता है तो वहां 9 साल की बच्चियों की शादी को वैध माना जाएगा। इस बिल के खिलाफ इराक में महिलाएं और कई मानवाधिकार संगठन विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। समाचार पत्र मिडिल ईस्ट आई के अनुसार, पर्सनल स्टेटस लॉ 1959 के 188 नियम में बदलाव की बात हो रही है। दरअसल, अब्दुल करीम कासिम सरकार के दौरान पर्सनल स्टेटस लॉ -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सभी सदस्य, सदन की गरिमा और प्रतिष्ठा को और बढ़ाने के लिए कार्य करें : लोस अध्यक्ष

नई दिल्ली (हि.स.)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज संसद भवन परिसर में 18वीं लोकसभा के नव निर्वाचित सांसदों के लिए, संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बिरला ने कहा कि अध्यक्ष विचारधारा अथवा दल के आधार पर कार्य नहीं करते। वास्तव में अध्यक्ष सभी सदस्यों के अधिकारों के संरक्षक होते हैं। उन्होंने नए सदस्यों से आग्रह किया कि वे अपनी सुविधाओं और सदन के कामकाज के बारे में अपने सुझाव दें जिससे उनके लिए अधिक प्रभावी व्यवस्थायें उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि 18वीं लोक सभा में कुल 280 सदस्य पहली बार निर्वाचित होकर संसद सदस्य बने हैं,जो कि पिछली लोक सभा की तुलना में अधिक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नए सदस्यों के नए विचार पुनः निर्वाचित सदस्यों के बृहद अनुभवों के साथ लोक सभा के कार्य में अधिक गुणवत्ता लाएंगे। बिरला ने बताया कि अध्यक्ष पद के उनके कार्यकाल में नवनिर्वाचित सांसदों को प्रोत्साहित करने हेतु कई कदम उठाए गए हैं। इस सन्दर्भ में उन्होंने बताया कि नए सदस्यों लिए यह अति आवश्यक है कि वे सदन की गरिमा और प्रतिष्ठा को और बढ़ाने के लिए कार्य करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि सदन के अंदर और सदन के बाहर सांसदों का आचरण सदैव उच्च कोटि का हो और अध्यक्ष पीठ के निदेशों के अनुकूल हो। उन्होंने नवनिर्वाचित सदस्यों को सुझाव दिया कि सदन के अंदर वे अपनी बात, नियमों और प्रक्रियाओं के तहत शालीनता से रखें और अपने साथी सदस्यों का उचित सम्मान करें। उन्होंने सदस्यों से प्रोसीजरल डिवाइस – प्रश्न काल, शून्य काल, कालिंग अटेंशन इत्यादि – का कुशलतापूर्ण उपयोग करने का सुझाव दिया। सदन के अंदर-बाहर सदस्यों के आचरण को उच्च कोटि का रखने पर जोर देते हुए, उन्होंने कहा कि सदन के भीतर ओर बाहर जनता अपने जनप्रतिनिधियों के व्यवहार, कथन और आचरण का ध्यान रखती है। उन्होंने सुझाव दिया कि सदस्य सदन में चर्चा के दौरान विषय का गंभीर अध्ययन करें और अपनी बात को संक्षेप में रखें। वे ज्यादा से ज्यादा सदन में बैठें और अपने वरिष्ठ साथियों से सीखने का प्रयास करें।

सीएम ने सत्र के गृहों और अतिथिशाला का किया उद्घाटन

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज श्रीश्रीटंगड़ा सत्र (मठ) में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त सत्र के भक्त गृह, भोजन गृह और अतिथिशाला का उद्घाटन किया। बाद में मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि लगभग 450 साल पहले रामचरण ठाकुर के प्रिय शिष्य महापुरुष श्रीश्री माधवदेव के महान शिष्य दैत्यारी ठाकुर द्वारा स्थापित ऐतिहासिक श्रीश्री टंगड़ा सत्र राज्य के आध्यात्मिक जीवन को समृद्ध करता रहा है। उन्होंने कहा कि आज गुवाहाटी के रुक्मिणीगांव में सत्र की पवित्र भूमि पर पहुंचकर महाप्रभु भगवंत के श्रीचरणों की सेवा करके बहुत खुश हूं। ऐतिहासिक धरोहर श्रीश्री टंगड़ा सत्र के इंफ्रास्ट्रक्चर को और मजबूत करने के लिए हमारी सरकार ने अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त सत्र का भक्त गृह, भोजन गृह और अतिथिशाला बनवाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद, आज हम इस सत्र दर्शन अवधि के दौरान नवनिर्मित भवनों का उद्घाटन कर रहे हैं।

आदि उत्सव के होर्डिंग पर मिया खलीफा का फोटो, बवाल

चेन्नई। तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले में एक धार्मिक उत्सव के लिए लगाए गए होर्डिंग में पूर्व वयस्क फिल्म स्टार मिया खलीफा की तस्वीर दिखाई दी। होर्डिंग *आदि* उत्सव के लिए लगाया गया था, जिसमें तमिलनाडु भर के मंदिरों में देवी अम्मान (पार्वती) की पूजा की जाती है। उत्सव आमतौर पर प्रत्येक गांव में भव्य होता है, जिसमें हज़ारों लोग कई दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में शामिल होते हैं। इन भव्य योजनाओं के हिस्से के रूप में, कुरुविमलाई में नागथम्मन और सेलियाम्मन मंदिरों में उत्सव की रोशनी के साथ होर्डिंग लगाए गए थे। इनमें से एक होर्डिंग तब वायरल हो गया जब मिया खलीफा की छवि देवताओं की तस्वीरों के साथ दिखाई दी। पूर्व वयस्क फिल्म स्टार की छवि को इस तरह से संशोधित किया गया था कि ऐसा लगे कि वह *पाल कुडम* (दूध का बर्तन) ले जा रही हैं, जो उत्सव में पारंपरिक प्रसाद का एक हिस्सा है।

बांग्लादेश : संघ ने हिंदू व अन्य अल्पसंख्यक समुदाय की रक्षा की अपील

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने बांग्लादेश में हिन्दू एवं अन्य अल्पसंख्यक समुदाय पर हो रहे हमलों पर चिंता जताते हुए बांग्लादेश की अंतरिम सरकार और केंद्र सरकार एवं विपक्षी दलों से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की अपील की है। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने शुक्रवार को जारी बयान में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से मांग की कि वह तुरंत सख्ती के साथ हिंसा की इन घटनाओं पर रोक लगाए और पीड़ितों की जान, माल एवं मान–सम्मान की रक्षा की समुचित व्यवस्था करे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से भी एक मित्र देश के नाते बांग्लादेशी हिंदू, बौद्ध एवं अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने की मांग की गई है। सरकार्यवाह होसबाले ने कहा कि इस गंभीर स्थिति में विश्व समुदाय और देश के सभी राजनीतिक दलों से भी संघ अनुरोध करता है कि बांग्लादेश में प्रताड़ना के शिकार बने हिंदू, बौद्ध इत्यादि अल्पसंख्यक समुदायों के साथ एकजुट होकर खड़े हों।

No. : SMED/DMC&H/TENDER/PT-II/2023-24/023/1607

NOTICE INVITATION FOR BID

Sealed Tenders (Two Bid system comprising of Technical Bid and Financial Bid) affixing court fee of **Rs. 8.28 (Rupees cight & twenty five paisa)** only are invited from the intending Govt. and authorized contractor' Supplier' Firm/ Dealer/ Manufacturer for **"RATE CONTRACT FOR THE SUPPLY OF LABORATORY CONSUMABLES IN THE VARIOUS DPARTMENT OF DIPHU MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL, DIPHU".** The estimated value of the work is Rs. 19,50,000/-. The bidders are requested to submit the tender in separate sealed envelope with seal and signature. The tender documents along with the specification may be downloaded from the office website of DMC&H **(www.dmecassam.in)** from 12/08/2024 at 5 PM and to deposit the payment of Rs. 2000/- as tender tee (non-refundable) and EMD of Rs. 20000/-(refundable) in the form of demand draft in favour of Principal-cum-Chief Superintendent. Diphu Medical College & Hospital, Diphu on or before 02/09/2024 along with the tender documents to be submitted before 1.00 P.M. The tender will be opened on the same date at 2.30 P.M. in presence of the tenderer or their authorized representatives. The tender is to be submitted to the office of the Principal cum Chief Superintendent, Diphu Medical College & Hospital, Diphu on all the working days during office hours.

Sd/-
Principal-cum-Chief Superintendent
Diphu Medical College & Hospital, Diphu, Assam

-- Janasanyog /C/2013/ 24/10-Aug-24

पृष्ठ एक का शेष

असम कैबिनेट बैठक ...

नए बीटीआर में 16 गांवों को शामिल करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि आने वाले समय में तीन और गांवों की आबादी की गणना के बाद निर्णय लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि छोटे कारोबारियों को लेकर कैबिनेट में भी फैसले लिए गए। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि जीएसटी नोटिस भेजने के संबंध में कैबिनेट में फैसला लिया गया है। नोटिस तभी जाएगा, जब 5 लाख रुपए से अधिक टैक्स वैल्यू हो। 5 लाख रुपए से कम टैक्स वैल्यू वाले छोटे व्यापारियों को छूट। जीएसटी की धारा 161 के अनुसार कैबिनेट का यह फैसला है। छोटे व्यापारियों को भी पुराने नोटिस से छूट मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि मटक मोरान स्वायत्त परिषद के सदस्यों की संख्या में वृद्धि की गई है। सदस्यों की संख्या 25 से बढ़कर 27 हो गई है। सरकार स्थानीय माध्यम के निजी स्कूलों को देख रही है। सरकार 25 फीसदी सीटें लेने पर विचार कर रही है। सीट शुल्क का 25 प्रतिशत सरकार द्वारा भुगतान किया जाएगा। यह सीट गरीब छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करेगी। इसके अलावा भी कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

मणिपुर के सीमावर्ती ...

इस गोलीबारी में गांव के तीन स्वयंसेवकों और एक यूकेएलएफ सदस्य की मौत हो गई। मोलनोम पलेल और मोलनोम के बीच लगभग 1.5 किलोमीटर की दूरी है। जवाबी कार्रवाई में विलेज वालंटियर फोर्स (वीवीएफ) के सदस्यों ने यूकेएलएफ नेता एसएस हाओकिप के आवास को निशाना बनाया और उनके घर को आग लगा दी। घटना की सूचना पाकर पहुंचे सुरक्षा बलों ने स्थिति को नियंत्रित किया। इस सिलसिले में अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

नीट-पीजी परीक्षा...

आदर्श दुनिया नहीं है। हम अकादमिक विशेषज्ञ नहीं हैं। मालूम हो कि याचिका में दावा किया गया था कि अभ्यर्थियों को ऐसे शहर आवंटित किए गए हैं, जहां पहुंचना उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण है। इसमें कहा गया कि परीक्षा संबंधी शहर 31 जुलाई को आवंटित किए गए थे और विशिष्ट केंद्र आठ अगस्त को घोषित किए जाएंगे। मालूम हो कि यह परीक्षा पहले 23 जून को आयोजित होनी थी। कुछ अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के मद्देनजर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसे *एहतियाती उपाय* के रूप में स्थगित कर दिया था।

अगर हम सब ...

हुए मुख्यमंत्री ने असम में धार्मिक आधार पर आक्रामकता के बारे में कई टिप्पणियां कीं। शर्मा ने कहा कि असम में अब बांग्लादेश जैसी स्थिति बन रही है। आज असम के मठ, मंदिर संकट में हैं। हम आसन्न अंधकार को संगठित तरीके से भविष्य की ओर धकेल रहे हैं। कभी परिसीमन हो रहा है। कभी आंदोलन आदि से इसे रोककर हम इस आक्रामकता को पीछे ले जा रहे हैं। असम में इसे वास्तविकता बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीतिक रूप से यह अनिश्चित है कि असम के हिंदू कितने सुरक्षित हैं। लेकिन अगर हमारा समाज एकजुट है, अगर हम अपने धार्मिक संस्थानों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं और अगर हम अपनी आने वाली पीढ़ी को अपने दो महान वैष्णव गुरुओं (श्रीमंत शंकरदेव और श्री माधवदेव का जिक्र करते हुए) की विचारधाराओं से प्रेरित रख सकते हैं, तो शायद हम असमिया के रूप में जीवित रह पाएंगे। उन्होंने कहा कि असम का लगभग हर जिला मिनी बांग्लादेश में तब्दील हो चुका है। असम के कई क्षत्रों की जमीन पर एक वर्ग के लोगों (अवैध प्रवासियों) ने कब्जा कर लिया है। असम के कई जिलों में मुस्लिम आबादी में भारी वृद्धि का जिक्र करते हुए हिमंत विश्व शर्मा ने असम में हिंदुओं के भविष्य को लेकर चिंता जताई। बांग्लादेश में हिंदुओं की संख्या में कमी और उत्पीड़न का जिक्र करते हुए शर्मा ने कहा कि आज पड़ोसी बांग्लादेश में हिंदुओं की संख्या 35 प्रतिशत से घटकर मात्र 8 प्रतिशत रह गई है। हिंदू मठों और मंदिरों को क्रूरता से ध्वस्त किया गया है। अगर हम असम के बरपेटा और धुबड़ी जिलों की कल्पना करें तो हम देखेंगे कि धुबड़ी जिले में 12 प्रतिशत हिंदू हैं।जैसे बांग्लादेश में 8 प्रतिशत हिंदू हैं, वैसे ही धुबड़ी में 12 प्रतिशत हिंदू हैं। बरपेटा जैसे जिलों में 30 प्रतिशत हिंदू हैं। मोरीगांव में हमारे पास केवल 35 प्रतिशत हिंदू हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि सरकार के डर से असम में हिंदुओं पर मुस्लिम आक्रमण रुक रहा है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे जिले में अब एक छोटा बांग्लादेश बन गया है। बस सरकार का डर रोक रहा है। क्योंकि सरकार के साथ पुलिस है, मिलिट्री है। अगर हम हिंदुओं पर हमला करेंगे तो सरकार हमें गिरफ्तार कर लेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि यदि सरकारी सब्सिडी के प्रति मुसलमानों का डर खत्म हो गया तो असम के हिंदुओं पर संकट आ जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने स्पष्ट कहा कि जिस दिन यह भय टूटेगा, उस दिन जो दृश्य हम आज बांग्लादेश में देख रहे हैं, वह ऊपरी असम के जिलों को छोड़कर हर जगह दिखाई देगा। और यही हमारे जीवन की वास्तविक सच्चाई है।

इधर कंटीले तार, उधर...

मुख्यालय दक्षिण बंगाल, महानिरीक्षक (आईजी), बीएसएफ फ्रंटियर मुख्यालय त्रिपुरा, सदस्य (योजना और विकास), भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण (एलपीएआई), और, सचिव, एलपीएआई, शामिल हैं। इससे पहले पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर 1 हजार से ज्यादा बांग्लादेशी हिंदू पहुंच गए थे। वे बॉर्डर पार कर भारत आना चाह रहे हैं। भारत में इनके घुसपैठ के प्रयास को बीएसएफ ने रोक रखा है। बीएसएफ ने उन्हें सतकुरा सीमा पर रोक लिया है। यह घटना जलपाईगुड़ी जिले के दक्षिण बेरूबारी पंचायत की है। घटना के बाद से बीएसएफ ने इलाके में गश्त बढ़ा दी है। बीएसएफ ने बीजीबी के साथ मिलकर सभा को समझाया और सभा वापस लौट गई। बीएसएफ ने यहां अस्थायी बाड़ लगाई थी क्योंकि यह क्षेत्र बिना बाड़ वाला है। इलाके में बीएसएफ जवानों की संख्या बढ़ा दी गई है। हालांकि भारतीय क्षेत्र में स्थानीय ग्रामीण हिंदू बांग्लादेशियों का स्वागत करने को तैयार हैं। एकत्रित बांग्लादेशी हमारे देश में प्रवेश करने के लिए आतुर हैं। बताया जा रहा है कि सीमा के उस पार से आई हिंदू बांग्लादेशियों की भीड़ का आरोप है कि उनके घर-मंदिर जलाए जा रहे हैं। वो भारत में शरण लेने आए हैं। वहीं इस पार भारतीय लोग इस भीड़ से सशंकित हैं। इनका कहना है कि अगर ये लोग भारत में प्रवेश कर गए तो खाने के लाले पड़ जाएंगे। ऐसे में वे नहीं चाहते कि ये बांग्लादेशी भारत में आएं। इस पार यानी भारत की ओर भी गांव वालों ने भीड़ जमा ली है। हालांकि बीएसएफ ने बांग्लादेशी हिंदुओं को समझाने का प्रयास किया है कि उन्हें ऐसा करने नहीं दिया जा सकता।

मिजोरम-असम के ...

रहा है। मिजोरम के तीन जिले एजल, कोलासिब और ममित, असम के कछार, करीमगंज और हैलनकांडी जिलों के साथ 164.6 किमी लंबी सीमा साझा करते हैं। दोनों राज्य 1875 और 1933 के सीमांकन के आधार पर सीमा को लेकर अपनी-अपनी बात कहते हैं। मिजोरम की ओर से दावा किया जाता है कि 1875 में अधिसूचित बंगाल पूर्वी फ्रंटियर रेगुलेशन 1873 के तहत साल 1875 में तय की गई इनर लाइन के तहत आरक्षित वन का 509 वर्ग मील का क्षेत्र उनके हिस्से में आता है। वहीं असम का कहना है कि 1933 में हुए सर्वे के आधार पर बने मानचित्र में वन क्षेत्र को असम के हिस्से में दिखाया गया है। हालांकि दोनों राज्यों के बीच कोई जमीनी सीमांकन नहीं है। दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद एक पुराना और पेचीदा मुद्दा है जो दशकों तक अनसुलझा रहा। सीमा विवाद 26 जुलाई, 2021 को बढ़ गया जब दोनों राज्यों के पुलिस बलों में टकराव हुआ, जिससे असम के छह पुलिसकर्मियों और एक नागरिक की मौत हो गई थी।

ईसी ने जम्मू-कश्मीर में ...

आरआर स्वैन के साथ चर्चा की। चुनाव के संचालन के लिए ईसीआई ने प्रशासन के साथ-साथ सुरक्षा एजेंसियों की तैयारियों की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि ईसीआई टीम ने चुनाव के लिए सुरक्षाबलों की तैयारी पर डीजीपी से फीडबैक मांगा। अधिकारियों ने बताया कि बलों की तैनाती, उम्मीदवारों को सुरक्षा कवर प्रदान करने और प्रचार के दौरान सुरक्षा के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के बाद ईसीआई टीम जम्मू के लिए रवाना हो गई, जहां वह प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समीक्षा बैठक करेगी। यह समीक्षा प्रक्रिया पर मीडिया को जानकारी देने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेगी। गुरुवार को अपने दौरे के पहले दिन चुनाव आयोग की टीम ने उन राजनीतिक दलों के साथ विचार-विमर्श किया, जिन्होंने केंद्र शासित प्रदेश में तत्काल चुनाव कराने की मांग की। पिछले 10 वर्षों में जम्मू-कश्मीर में यह पहला विधानसभा चुनाव होगा। जम्मू-कश्मीर में वर्ष 2014 से विधानसभा चुनाव नहीं हुए हैं। वर्ष 2018 में तत्कालीन राज्य के विधायी निकाय के विघटन के बाद चुनाव 2019 की शुरुआत में होने थे। हालांकि, अगस्त 2019 में जम्मू और कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजन के बाद, 2022 में पूरा होने वाले परिसीमन अभ्यास सहित विभिन्न कारणों से विधानसभा चुनाव नहीं हो सके। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल दिसंबर में केंद्र को इस साल 30 सितंबर तक चुनाव प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया था।

सीएए के तहत नागरिकता ...

के नागरिकता नियमों के एक विशेष हिस्से में आ रही दिक्कतों के बाद आया है। नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 के पहले के प्रावधान में कहा गया है कि कोई भी दस्तावेज जो दिखाता है कि आवेदक के माता-पिता या दादा-दादी या परदादा-परदादी तीन देशों में से किसी एक यानी अफगानिस्तान या बांग्लादेश या पाकिस्तान के नागरिक हैं या थे। गृह मंत्रालय ने अपने ताजा स्पष्टीकरण में कहा कि यह स्पष्ट किया जाता है कि अनुसूची-1ए के क्रम संख्या 8 के तहत दस्तावेजों में केंद्र सरकार/राज्य सरकार/भारत में किसी भी न्यायिक या अर्ध न्यायिक निकाय द्वारा जारी कोई भी दस्तावेज शामिल हो सकता है, जैसे कि भूमि रिकॉर्ड, न्यायिक आदेश आदि। यह दर्शाता है कि आवेदक या उसके माता-पिता या दादा-दादी अफगानिस्तान या बांग्लादेश या पाकिस्तान के नागरिक थे।

धनखड़ को पद से ...

इस खंड के प्रयोजन के लिए कोई भी प्रस्ताव तब तक पेश नहीं किया जाएगा, जब तक कि प्रस्ताव पेश करने के इरादे से कम से कम 14 दिन का नोटिस न दिया गया हो। विपक्ष से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि दो दिन पहले, राज्यसभा में सदन के नेता जे पी नड्डा को अनौपचारिक रूप से सूचित किया गया था कि विपक्ष धनखड़ को हटाने के लिए एक प्रस्ताव प्रस्तुत करने पर विचार कर रहा है। सूत्र ने कहा कि विपक्षी दलों के लिए यह बात बहुत चिंताजनक है कि नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का माइक बार-बार बंद किया जाता है। सूत्र के अनुसार, विपक्ष चाहता है कि सदन नियमों और परंपरा के अनुसार चले और सदस्यों के खिलाफ व्यक्तिगत टिप्पणियां अस्वीकार्य हैं। कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के कई अन्य घटक दलों ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ का रवैया पक्षपातपूर्ण दिखाई देता है तथा हालत यह है कि नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को बोलने नहीं दिया जाता और उनका माइक बंद कर दिया जाता है। राज्यसभा में शुक्रवार को समाजवादी पार्टी की सदस्य जया बच्चन द्वारा सभापति जगदीप धनखड़ के बोलने के लहजे पर आपत्ति जताए जाने के बाद आसन और विपक्ष के बीच टकराव देखने को मिला। जया बच्चन ने सभापति जगदीप धनखड़ के बोलने के लहजे पर आपत्ति जताई जिसके बाद दोनों के बीच नोंकझोंक हो गई और सभापति ने कहा कि उनके जैसी सेलिब्रिटी को भी शिष्टाचार का पालन करने की जरूरत है। सभापति ने विपक्षी सदस्यों को सदन की गरिमा बनाए रखने की नसीहत दी वहीं विपक्षी सदस्यों ने अपनी बात रखने की अनुमति नहीं देने का आरोप लगाते हुए सदन से बहिर्गमन कर दिया। बाद में संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए जया बच्चन ने कहा कि वह सभापति के बोलने के लहजे से नाराज हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे जब अपनी बात रखने के लिए खड़े हुए तो उनका माइक बंद कर दिया गया और इससे भी वह (जया) नाराज हैं। सदन में विवाद तब शुरू हुआ जब सपा सदस्य, कुछ दिन पहले भाजपा के घनश्याम तिवाड़ी द्वारा खड़गे पर की गई कुछ टिप्पणियों को लेकर विपक्षी दलों और सभापति के बीच चल रही तीखी बहस पर अपनी बात रखना चाहती थीं।

लोस और रास ...

हुई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोकसभा की बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने की घोषणा से पहले बताया कि इस सत्र में 15 बैठकें हुईं जो 115 घंटे तक चलीं और सदन की कार्य उत्पादकता 136 प्रतिशत रही। अठारहवीं लोकसभा के दूसरे सत्र की शुरुआत 22 जुलाई को हुई थी जिसमें 23 जुलाई को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदन में केंद्रीय बजट 2024-25 पेश किया। अध्यक्ष बिरला ने बताया कि सदन में बजट पर सामान्य चर्चा 27 घंटे 19 मिनट तक चली जिसमें 181 सदस्यों ने भाग लिया। चर्चा का जवाब वित्त मंत्री सीतारमण ने 30 जुलाई को दिया। लोकसभा में 30 जुलाई से पांच अगस्त तक स्वास्थ्य मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, रेल मंत्रालय और मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय से संबंधित अनुदान मांगों पर चर्चा के बाद इन्हें मंजूरी दी गई। सदन ने गत पांच अगस्त को केंद्रीय बजट से संबंधित विनियोग विधेयक 2024 को मंजूरी दी। इसके अलावा लोकसभा के इस सत्र में वित्त विधेयक 2024, जम्मू कश्मीर विनियोग विधेयक 2024 और भारतीय वायुयान विधेयक, 2024 को पारित किया गया। लोकसभा ने विमान के डिजाइन, निर्माण, रखरखाव, संचालन और बिक्री सहित विमानन उद्योग के विभिन्न पहलुओं को विनियमित करने के प्रावधानों वाले भारतीय वायुयान विधेयक, 2024 को शुक्रवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया। विधेयक पर सदन में गुरुवार को चर्चा पूरी हो गई थी और नागरिक विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने शुक्रवार को सदन में चर्चा का जवाब दिया जिसके बाद सदन ने विभिन्न विपक्षी सदस्यों के संशोधन प्रस्तावों को खारिज कर दिया तथा विधेयक को ध्वनि मत से मंजूरी दे दी। लोकसभा ने वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार करने के लिए संसद की संयुक्त समिति के गठन की खातिर सदन के 21 सदस्यों को नामित करने तथा राज्यसभा से 10 सदस्यों को नामित करने की अनुशंसा संबंधी प्रस्ताव को शुक्रवार को मंजूरी दी। इस संयुक्त समिति में लोकसभा से जिन 21 सदस्यों को शामिल किया गया है उनमें भारतीय जनता पार्टी के आठ और कांग्रेस के तीन सांसद शामिल हैं। संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सदन में यह प्रस्ताव रखा जिसे ध्वनिमत से मंजूरी दे दी गई। इस समिति में भाजपा से जगदंबिका पाल, निशिकांत दुबे, तेजस्वी सूर्या, अपराजिता सारंगी, संजय जयसवाल, दिलीप सैकिया, अभिजीत गंगोपाध्याय और डीके अरुणा को शामिल किया गया है, जबकि कांग्रेस से गौरव गोगाई, इमरान मसूद और मोहम्मद जावेद को इस समिति का हिस्सा बनाया गया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि सरकार रूसी सेना में भर्ती 69 भारतीय नागरिकों के सेवा से बाहर निकलने का इंतजार कर रही है और कई मामलों में ऐसे संकेत मिले हैं कि भारतीय नागरिकों को गुमराह किया गया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस मामले को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के समक्ष उठाया था। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पर बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा के मुद्दे को उठाने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी को गाजा की चिंता तो है, मगर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर बोलने में इनके होंठ सिल जाते हैं। आखिर ऐसी क्या मजबूरी है? राज्यसभा का 265वां सत्र शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। तीन बार के स्थगन के बाद जब सदन की कार्यवाही साढ़े तीन बजे आरंभ हुई तब सभापति जगदीप धनखड़ ने कुछ आवश्यक कामकाज निपटाने के बाद उच्च सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले, उच्च सदन की कार्यवाही तीन बार स्थगित हुई। सदन में प्रश्नकाल से ठीक पहले विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच विभिन्न मुद्दों पर विवाद हुआ जिससे प्रश्नकाल नहीं हो पाया। इसी दौरान सभापति धनखड़ और समाजवादी पार्टी की सदस्य जया बच्चन के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इस सत्र में बजट के अलावा विनियोग विधेयक और वित्त विधेयक पर चर्चा हुई। इसके साथ ही तीन मंत्रालयों के कामकाज पर भी चर्चा हुई वहीं विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पड़ोसी देश बांग्लादेश की स्थिति के बारे में सदन में बयान दिया। आम आदमी पार्टी (आप) की सदस्य स्वाती मालीवाल ने शुक्रवार को राज्यसभा में यमुना नदी में बढ़ते प्रदूषण का मुद्दा उठाया और कहा कि जब तक दिल्ली में युद्ध स्तर पर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट नहीं बनाये जाएंगे, यमुना की स्थिति में सुधार नहीं होगा। उच्च सदन में शून्यकाल में यह मुद्दा उठाते हुए उन्होंने इसके लिए जहां केंद्र सरकार के पूरे सहयोग की जरूरत पर बल दिया वहीं दूसरी तरफ दिल्ली सरकार पर निशाना साधते हुए यमुना को लेकर यहां की जनता को *सपने दिखाने* और *झूठे वादे* करने का आरोप लगाया। राज्यसभा में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अनिल सुखदेव बोंडे ने देश की बढ़ती आबादी पर चिंता जताई और सरकार से मांग की कि गरीब कल्याण सहित केंद्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उन्हीं परिवारों को मिलना चाहिए जिनके दो बच्चे हैं।

इराक में प्रस्तावित ...

1959 बनाया गया था। इस कानून की तारीफ की गई थी, जिसमें लड़कियों की शादी की न्यूनतम उम्र 18 साल कर दी गई थी। इराक की संसद में यह बिल पास हो जाता है तो 9 साल की आयु की लड़कियां 15 साल के आयु के लड़कों से शादी कर सकती है। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार इराक में 28 प्रतिशत लड़कियों की शादी 18 साल के पहले हो जाती है। ह्यूमन राइट्स वॉच (एचआरडब्ल्यू) की शोधकर्ता सारा सनबार ने कहा कि इस कानून के पारित होने से देश का विकास आगे नहीं बल्कि पीछे की ओर चला जाएगा है। कई मानवाधिकार से जुड़े लोगों का मानना है कि अगर ये बिल संसद से पारित हो गई तो देश में लड़कियों की शिक्षा पर खतरा और उनकी आजादी पर खतरा मंडराने वाला है।

पाकिस्तान में भी शुरू ...

गुल बहादर समूह ने इंटरनेट मीडिया पर हमले की जिम्मेदारी ली है। इस समूह ने फरवरी में तारिक अफरीदी समूह के साथ गठबंधन किया था। इसे तारिक गेदर समूह के नाम से भी जाना जाता है। खास बात यह है कि यह समूह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का सहयोगी संगठन है। अधिकारियों के अनुसार आतंकवादियों ने औरकजई स्काउट्स चेक पोस्ट पर कब्जा करने की कोशिश की। हमले के बाद में चौकी पर आग लगा दी। हमले में आतंकवादियों ने विस्फोटक और रॉकेट से चलने वाले ग्रेनेड का इस्तेमाल किया।

17 महीने बाद ...

बाहर आते ही आप कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जय के नारे लगाए। इस दौरान इंकलाब जिंदाबाद के भी जमकर नारे लगाए। मनीष सिसोदिया ने कहा कि जब सुबह ये ऑर्डर आया तो मेरा रोम-रोम बाबा साहब के प्रति कृतज्ञ है। कहा कि आज मैं बाहर आया हूं तो आपके प्यार की बदौलत, सबसे बड़ी चीज बाबा साहब ने जो संविधान बनाया है उसकी बदौलत। मनीष सिसोदिया ने कहा कि मैं आपको यकीन दिलाता हूं इसी संविधान की बदौलत आपके प्यारे नेता अरविंद केजरीवाल भी जेल से बाहर आएंगे। कहा कि मैंने कष्ट नहीं उठाया आप सभी ने कष्ट उठाया है। सिसोदिया ने कहा सभी माताओं-बहनों को आजाद मनीष सिसोदिया का नमस्कार। पिछले 17 महीने से मैं जेल में नहीं था, बल्कि सभी दिल्लीवासी, देशवासी और दिल्ली के स्कूलों का हर एक बच्चा भावनात्मक रूप से जेल में रहा है। मनीष सिसोदिया ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को तहेदिल से धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने संविधान की ताकत का इस्तेमाल करते हुए तानाशाही के मुंह पर तमाचा मारा है। इसके बाद सिसोदिया ने कहा कि जेल के ताले टूटेंगे केजरीवाल छूटेंगे। अंत में सिसोदिया ने कहा कि भ्रष्टाचार का एक ही काल केजरीवाल-केजरीवाल। मनीष सिसोदिया को बेल मिलने के बाद आप के नेताओं के एक के बाद एक बयान सामने आए। दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद आप नेता मनीष सिसोदिया के आवास पर मिठाइयां बांटी गई। वहीं, आप नेता और मंत्री आतिशी तो जमानत मिलने पर बोलते हुए रो गईं। संजय सिंह ने पूछा कि 17 महीनों का हिसाब कौन देगा? बता दें कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि सिसोदिया को तेजी से ट्रायल करने के अधिकार से वंचित किया गया और तेजी से ट्रायल का अधिकार महत्वपूर्ण है। अदालत ने यह भी संज्ञान में लेते हुए कहा कि निकट भविष्य में ट्रायल पूरी होने की दूर-दूर तक कोई संभावना नहीं है क्योंकि 495 गवाहों और हजारों दस्तावेज जो लाखों पन्नों में हैं उन्हें देखा जाना है।

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे केंद्र सरकार : ब्रजज्योति शर्मा

विहिप के उत्तर पूर्व प्रांत के सचिव ने गुवाहटी में पत्रकारों से की वार्ता

गुवाहाटी (हिंस)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के उत्तर पूर्व प्रांत के सचिव ब्रजज्योति शर्मा ने कहा कि पड़ोसी देश बांग्लादेश हिंसा और अराजकता से ग्रसित है। निर्वाचित प्रधानमंत्री के त्यागपत्र देने और देश छोड़ने के बाद से वहां अराजकतत्व हावी हो गए हैं और कानून व्यवस्था सर्वथा निष्प्रभावी हो चुकी है। ऐसे में वहां के अतिवादी जिहादी तत्व हिंदू समाज का बड़े पैमाने पर उत्पीड़न कर रहे हैं। उन्होंने भारत सरकार से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाने का आग्रह किया है। विहिप के उत्तर पूर्व प्रांत के सचिव ब्रजज्योति शर्मा शुक्रवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में पिछले कई दिनों से हिंदू अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थानों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और घरों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। पूरे बांग्लादेश में हर जिले में अराजकता है और कट्टरपंथियों ने श्मशान से लेकर मंदिरों को भारी क्षति पहुंचाई गयी है। विहिप उत्तर पूर्व प्रांत ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के घर, मकान, दुकान, ऑफिस, व्यवसायिक प्रतिष्ठान व महिलाएं, बच्चे एवं उनकी आस्था व विश्वास के केंद्र मन्दिर तक सुरक्षित नहीं हैं। वहां पीड़ित अल्पसंख्यक हिन्दुओं की हालत बद से भी बदतर होती जा रही है। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि विश्व समुदाय की जिम्मेदारी है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा व उनके मानवाधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी कार्रवाई करे। भारत ने हमेशा से ही विश्वभर के उत्पीड़ित, विस्थापितों की सहायता की है। शर्मा ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद भारत सरकार से आग्रह करता है कि वह बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाए और सीमा पर कड़ी चौकसी बरते। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में शीघ्रातिशीघ्र लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्ष सरकार पुनः स्थापित हो।

15 अगस्त के अंदर बाढ़ से नुकसान का जायजा : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम में बाढ़ का तीसरा झटका आने को लेकर सरकार पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि अब तक बाढ़ से प्रभावित हुए लोगों के नुकसान का जायजा लिया जा रहा है। 15 अगस्त के अंदर यह काम संपूर्ण हो जाएगा। इसके बाद सरकार लोगों को आवश्यकता अनुसार राहत पहुंचाएगी। मुख्यमंत्री ने आज असम में बाढ़ को लेकर एक वीडियो संदेश जारी किया। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों का बाढ़ से घर टूटा है, उन्हें घर बना देने, जिनका अन्य तरह से नुकसान हुआ है उसकी भरपाई उसी प्रकार से करने के लिए नुकसान का पूरी तरह से आंकलन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहत शिविरों में रह रहे लोगों की जरूरत के प्रति भी सरकार सचेस्ट है। उन्होंने कहा कि तीसरी बार के बाढ़ का समय पार हो जाने के बाद लोग राहत शिविरों से अपने घरों में लौटेंगे।

मुख्यमंत्री ने नेडफी के 29वें स्थापना दिवस में लिया भाग

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज कहा कि पूर्वोत्तर विकास वित्त निगम लिमिटेड (नेडफी) असम सरकार के साथ मिलकर सूक्ष्म ऋण सुविधाओं के माध्यम से राज्य में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दे सकता है और अधिक उद्यमशीलता पैदा कर सकता है। गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में नेडफी के 29वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि नेडफी मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता योजना के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों में काम करने वाली महिलाओं को व्यावसायिक अवसर प्रदान करने की राज्य सरकार की पहल में सहयोग कर सकती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता योजना के पहले चरण के तहत सरकार महिला लाभार्थियों को पहले वर्ष में प्रारंभिक निधि के रूप में 10 हजार रुपए की राशि देगी। इस प्रारंभिक निधि का उपयोग व्यावसायिक उद्यम पहल के उद्देश्य को पूरा करने के लिए किया जाएगा। योजना के दूसरे चरण में, दूसरे वर्ष सफल महिला उद्यमी को 25 हजार रुपए की राशि मिलेगी। इस राशि में से 12 हजार 500 रुपए बैंक ऋण के रूप में दिए जाएंगे और शेष राशि राज्य सरकार द्वारा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि नेडफी लाभार्थियों को ऋण राशि प्रदान करने में सरकार के साथ साझेदारी कर सकती है। इसलिए, उन्होंने नेडफी के पदाधिकारियों से अनुरोध किया कि वे महिला उद्यमिता योजना के प्रत्येक घटक को ध्यान से पढ़ें, ताकि इसे योजना के साथ संरेखित किया जा सके।

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने पूर्वोत्तर में औद्योगिक, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की स्थापना के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को सहायता प्रदान करने में अपनी भूमिका के लिए नेडफी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में नेडफी उद्यमियों को त्वरित और परेशानी मुक्त ऋण प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण शक्ति रही है, जो उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद करती है। पिछले कई वर्षों से नेडफी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को मजबूत करने में एक ताकत रहा है। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि आने वाले वर्षों में नेडफी इस क्षेत्र में उद्यमिता से उत्पन्न व्यवसाय की मात्रा को बढ़ाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने असम से पद्मश्री पुरस्कार विजेता सर्वेश्वर बसुमतारी और मणिपुर से मोइरंगथेम मुक्तामणि देवी को भी सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा, नेडफी के सीएमडी पीवीएसएलएन मूर्ति सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

ऑल बीटीआर बंगाली फेडरेशन के पूर्व अध्यक्ष समेत 52 कार्यकर्ताओं ने थामा यूपीपीएल का दामन

कोकराझाड़ (विभास)। ऑल बीटीआर बंगाली फेडरेशन के केंद्रीय समिति के पूर्व अध्यक्ष एवं मुख्य सालाहाकार मंटू दे ने आज अपने कार्यकर्ताओं के साथ राजनीतिक दल यूपीपीएल शामिल हुए। बीटीआर प्रमुख प्रमोद बोड़ो के आवास में आयोजित कार्यक्रम में फेडरेशन के पूर्व अध्यक्ष एवं मुख्य सलाहाकार मंटू दे समेत कुल 52 सदस्यों ने यूपीपीएल दल शामिल हुए। इस मौके पर प्रमोद बोड़ो के अलावा बीटीआर के कार्यकारी सदस्य गोबिंद बसुमतारी, माधब छेत्री सहित अन्य यूपीपीएल के नेतागण उपस्थित थे।

कार्यक्रम के बाद यूपूपीएल में शामिल हुए फेडरेशन के मुख्य सलाहकार मंटू दे ने पत्रकारों को बताया कि बंगाली जाति के विकास और संगठन को मजबूत करने के लिए राजनीतिक दल यूपीपीएल में शामिल होना जरूरी था।

छत्रीबाड़ी माहेश्वरी भवन में दो दिवसीय उत्कर्ष एग्जीविशन शुभारंभ

गुवाहाटी (विभास)। छत्रीबाड़ी स्थित माहेश्वरी भवन में सामाजिक कार्यों में अग्रणी माहेश्वरी महिला समिति के तत्वाधान में दिनांक 9 और 10 अगस्त 2024 को उत्कर्ष एग्जीविशन का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्रीमती रंजना सारडा ने फीता काटकर किया तथा समिति और स्टाल लगाने वालो को शुभकामना दी। राष्ट्र से आई पदाधिकारी शोभाजी सादानी तथा वर्षा मुंदड़ा, पूर्वांचल सह प्रभारी चंचल राठी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में एकता मंच की अध्यक्ष सरोज जी मित्तल, फैशन इंफ्ल्यूएंसर कीर्ति जी सिंघी, लेखिका अंजना जी जैन, हेल्थ कोच सोनिया जी सारडा, द टी ऐड्रेस की प्रॉपराइटर अंजू सारडा आदि उपस्थित थी। एग्जीविशन

में बहुत भीड़ देखी गई। मुख्य आकर्षण 500 की खरीद में लकी ड्रॉ रखा गया था सभी ग्राहक संतुष्ट व प्रसन्न हो कर जा रहे थे। संयोजिका मंजू बागड़ी ने कार्यक्रम के विषय में संक्षिप्त जानकारी दी। अध्यक्ष बर्षा सोमानी ने स्वागत उद्बोधन दिया। इस मेले की मुख्य अतिथि का परिचय सह संयोजिका रीता साबू ने दिया तथा निगम तापड़िया ने उपहार देकर उनका सम्मान किया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष भगवान दास दम्मानी, सभा उपाध्यक्ष धनराज झवर, सचिव सुरेंदर लाहोटी, युवा अध्यक्ष शिवरतन सोनी, पूर्वोत्तर की उपाध्यक्ष सीता झँवर, कोषाध्यक्ष रूपा गग्गड़ उपस्थित थीं। सचिव पुष्पा सोनी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। सावन का पावन माह अनेक त्योहारों से सजा होता है। राखी, जन्माष्टमी व तीज आदि पर्वों के अनुकूल विभिन्न वस्तुएं यहां उपलब्ध हैं। मंजु सोनी, सीमा सोनी, बंदना बिहानी, मीनाक्षी मिमानी, पार्वती बिड़ला, रचना काबरा, ममता धूत, बबीता काबरा, शोभा लड्ढा, सोभना लड्ढा, रिंकू काबरा आदि सदस्याएं मौजूद थीं। घरेलू साज-सज्जा के सामान एवं आकर्षक डिजाइनर परिधानों के साथ विभिन्न प्रकार के बेडशीट, तथा गिफ्ट के समान भी मेले में उपलब्ध थे।

करीमगंज में ट्रक से 115 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त, चार गिरफ्तार

करीमगंज (असम) (हिंस)। असम पुलिस के आईजी पार्थसारथी महंत और एसपी पार्थ प्रतिम दास के नेतृत्व में एसटीएफ और करीमगंज पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में करीमगंज थाना अंतर्गत करीमगंज बाईपास पुवामारा में भारी मात्रा में ड्रग्स जब्त किया। पुलिस के अनुसार इस ड्रग्स की कीमत 115 करोड़ रुपए है। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को पुलिस ने दोपहर करीब साढ़े तीन बजे करीमगंज बाईपास पुवामारा में एक 12 चक्का ट्रक को रोक कर उसकी तलाशी ली।

ड्रग्स समेत एक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), असम की टीम ने ड्रग्स मामले में दिसपुर थाना क्षेत्र के खानापाड़ा इलाके में अभियान चलाकर एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ में शुक्रवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान खानापाड़ा इलाके से 30 प्लास्टिक की छोटी-छोटी सीसी में भरकर रखे गए 35.5 ग्राम हेरोइन, एक मोबाइल फोन, नगद 330 रुपए समेत राजदीप पेगू (24) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। सूचना के अनुसार हाल के दिनों इसी तहह कई छापेमारी में ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार कर उन्हें जेल भेद दिया गया है।

अखिल असम रौनियार वैश्य महासभा का आगामी अधिवेशन 8 सितंबर को

विश्वनाथ (विभास)। अखिल असम रौनियार वैश्य महासभा की आगामी 8 सितंबर में होने वाले तृतीय अधिवेशन जोरों पर है। अधिवेशन की जानकारी अखिल असम रौनियार वैश्य महासभा के अध्यक्ष छत्रपति प्रसाद साह ने देते हुए कहा गुवाहाटी में होने वाले तृतीय अधिवेशन में रौनियार (बनिया) समाज के बुद्धिजीवी तथा गणमान्य व्यक्ति देशभर से पधार रहे हैं। इस अधिवेशन को लेकर राज्य के विभिन्न जगहों में समिति का गठन तथा अधिवेशन को गरिमामयी बनाने में जुटे हुए हैं। अखिल असम रौनियार वैश्य महासभा से, अध्यक्ष छत्रपति प्रसाद साह, उपाध्यक्ष रूपनारायण साह, गौतम साह, श्यामानंद रौनियार, सचिव अनिल गुप्ता, कोषाध्यक्ष उपेंद्र साह, सलाहकार राजकुमार साह ने गुवाहाटी कमिटी गठन किया जिसमें अध्यक्ष विद्या रौनियार, उपाध्यक्ष विजय गुप्ता, ओमप्रकाश साह, सचिव सुनील गुप्ता सह सचिव जमुना प्रसाद को बनाया गया जिसमें

उपस्थित दीपक गुप्ता, लाल बाबू गुप्ता, बिट्टू गुप्ता, नागमंती गुप्ता, सुनैना रौनियार, उषा रौनियार, रानी रौनियार उपस्थित थे। रंगिया से रंगिया समिति गठन किया जिसमें वरिष्ठ समाजसेवक राजकुमार साह एवं समाजसेवक गौतम साह के देखरेख में आयोजित सभा में अध्यक्ष हरेन्द्र गुप्ता, उपाध्यक्ष लक्ष्मन प्रसाद गुप्ता, सचिव अनूप गुप्ता, और सलाहकार राजकुमार साह को बनाया गया। उपस्थित सुशीला देवी, सीता देवी, सुनीता देवी, पार्वती देवी, रेखा देवी, जानकी गुप्ता, सुशीला देवी, शिवजी गुप्ता, ललन गुप्ता प्रकाश गुप्ता, सतेंद्र गुप्ता, त्रिलोकी गुप्ता, सत्यनारायण गुप्ता, रामजी गुप्ता, सूरज गुप्ता, इत्यादि उपस्थित थे।

प्रथम वाहिनी एसएसबी ने आयोजित किया कल्याणकारी कार्यक्रम

गुवाहाटी (हिंस)। प्रथम वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), सोनापुर और इसके सभी समवाय के द्वारा अमृत वृक्षा आंदोलन-2024 के अंतर्गत मणिपुर आयुष्मान आयुध मंदिर, एसटीसी बस स्टैंड, नलबाड़ी, गॉडविन्स स्कूल के पास, सरुसजय, लोखरा और वाहिनी मुख्यालय सोनापुर के परिसर क्षेत्र में *एक पेड़ मां के नाम* के तत्वावधान में वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत 400 पौधे लगाए गए। इसके अलावा, प्रथम वाहिनी सोनापुर के द्वारा दमुआ माज गांव और दमधुआ खाटे गांव, मोरीगांव में निश्शुल्क पशु चिकित्सा कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें 108 पशुओं का उपचार

किया गया और 42 लोग लाभान्वित हुए। प्रथम वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, सोनापुर ने जीएनआरसी हॉस्पिटल, गुवाहाटी के विशेषज्ञ चिकित्सक के समन्वय में यूनिट अस्पताल सोनापुर में निःशुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. गौतम रवा (आर्थोपेडिक्स और आर्थोस्कोपिक), राजीब लिखारू, प्रबंधक जीएनआरसी और पापाई घोष, कार्यकारी जीएनआरसी उपस्थित थे। इस शिविर से बल के कर्मियों, परिवार के सदस्यों और स्थानीय ग्रामीणों को लाभ हुआ।

मंत्री संजय किशन ने मणिराम दीवान ट्रेड सेंटर में बीएआईसी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

बीएआईसी प्रदर्शनी में भारत की बेहतरीन भवन, वास्तुकला, इंटीरियर डिजाइन और निर्माण का सम्मेलन

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर भारत में भवन, वास्तुकला, इंटीरियर डिजाइन और निर्माण का सबसे बड़ा संगम बीएआईसी प्रदर्शनी का उद्घाटन 9 अगस्त को गुवाहाटी के मणिराम दीवान ट्रेड सेंटर में असम के चाय जनजाति कल्याण और श्रम कल्याण राज्य मंत्री संजय किशन ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ किया। गौरतलब है कि 11 अगस्त तक चलने वाली इस तीन दिवसीय प्रदर्शनी में 5, 000 से अधिक डीलर और डिस्ट्रीब्यूटर, 100 से अधिक एग्जीबिटर, 300 से अधिक बिल्डर और डेवलपर्स और लगभग 7, 000 प्रतिभागी एक साथ आ रहे हैं। बीएआईसी का अर्थ है बिल्डिंग, आर्किटेक्चर, इंटीरियर डिजाइन और कंस्ट्रक्शन। यह भारत के शीर्ष वास्तुशिल्प, निर्माण सामग्री कंपनियां और डीलर, डिजाइनर, निर्माता, सलाहकार, इंजीनियर, प्रोजेक्ट मैनेजर, सरकारी अधिकारियों और उत्साही लोगों का एक भव्य समूह है। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री संजय किशन ने कहा कि यह प्रदर्शनी इस क्षेत्र के लोगों को एक साथ लाने वाली पहली पहल है। संजय किशन ने कहा कि इससे उद्योग स्तर पर सहयोग बढ़ेगा और क्षेत्र के लोगों को नए चलन के बारे में जानने को मिलेगा। उद्घाटन के दौरान उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में एईजीसीएल के वाइस चेयरमैन डॉ. देबोजीत महंत; एआईडीसी के वाइस चेयरमैन नवदीप कलिता, मिशन फाइनेंस के सदस्य कल्लोल चक्रवर्ती, मिशन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट के सदस्य मुकुल कलिता, मिशन एपकॉल के सदस्य शशांक ज्योति डेका, उद्योग एवं वाणिज्य के अतिरिक्त निदेशक तरुण कुमार कटकी, एआरईआईडीए के अध्यक्ष पीके शर्मा, एचआरआरए के अध्यक्ष मृगांक हजारिका, एएए के जनरल सेक्रेटरी पंकज फूकन और बीएआई के अध्यक्ष बिजय सराफ आदि शामिल थे। बीएआईसी की संस्थापक नेहा मल्होत्रा और मालक्स्मी सिन्हा (मिली) ने कहा कि यह प्रदर्शनी वर्षों की कड़ी मेहनत का परिणाम है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह प्रदर्शनी व्यापारिक सौदों के लिए प्रेरक और अभिनव समाधानों के लिए एक केंद्र के रूप में काम कर रही है, जो उद्योग में सभी हितधारकों के लिए एकल मंच प्रदान करती है। प्रदर्शनी की

संस्थापकों ने कहा कि आज वर्षों की कड़ी मेहनत के परिणाम का दिन है। पूर्वोत्तर क्षेत्र को हमेशा से एक व्यापक केन्द्रीभूत मंच की आवश्यकता है और यह सामूहिक प्रयास निस्संदेह इसमें शामिल सभी लोगों को अत्यधिक लाभ पहंचाएगा। उन्होंने कहा कि यह पूर्वोत्तर भारत के निर्माण सामग्री निर्माताओं, डीलरों, वास्तुकारों, इंटीरियर डिजाइनरों, ठेकेदारों, सलाहकारों, डिस्ट्रीब्यूटरों और प्रोजेक्ट इंजीनियरों के लिए आदर्श आयोजन है। यह उन लोगों के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है जो निर्माण और इंटीरियर डिजाइन में ऐसे नवीनतम रुझानों के बारे में जानकारी रखना चाहते हैं, क्योंकि इस क्षेत्र में कई उत्पाद और जानकारी पहली बार पेश की जा रही हैं। इसके अलावा यह आयोजन वर्तमान में अपने सपनों का घर बनाने वाले व्यक्तियों के लिए बहुमूल्य जानकारी और संसाधन प्राप्त करने का एक शानदार अवसर प्रस्तुत करता है। बीएआईसी प्रदर्शनी में उपस्थित लोग कई तरह की गतिविधियों का आनंद ले सकते हैं, जिसमें व्यावहारिक सेमिनार, व्यावहारिक वर्कशॉप और उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों और विचारकों की आकर्षक पैनल चचाएं शामिल हैं। बीएआईसी प्रदर्शनी में पैनल चचाएं मुख्य आकर्षण होंगी, जिसमें वास्तुकला, इंटीरियर डिजाइन, निर्माण और निर्माण सामग्री के प्रमुख विशेषज्ञ शामिल होंगे। इस प्रदर्शनी में उपस्थित लोग उभरते उद्योग रुझानों, जैसे कि टिकाऊ निर्माण विधि और स्मार्ट टेक्नोलॉजी के इंटीग्रेशन के साथ-साथ अभिनव समाधानों को प्रदर्शित करने वाली वास्तविक दुनिया की केस स्टडीज द्वारा गहन खोज की उम्मीद कर सकते हैं। ये सत्र इंटरैक्टिव होंगे जिसमें वक्ताओं के साथ सीधे प्रश्नोत्तर के अवसर भी शामिल होंगे। प्रदर्शनी क्षेत्र में अग्रणी निर्माता और सेवा प्रदाता भी अपने अत्याधुनिक उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन करेंगे। यह प्रदर्शनी स्थल उद्योग से जुड़े लोगों के लिए नए समाधान एवं नए इनोवेशन खोजने और व्यावसायिक साझेदारी और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक बाजार के रूप में काम करेगा, जिससे यह सभी प्रतिभागियों के लिए एक अमूल्य आयोजन होगा। इस प्रदर्शनी में भाग लेने वाले कुछ शीर्ष संगठनों में हैं - ग्रोटो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, याहवी, निकिता बंसल डिजाइन, पूर्वांचल वुड, पीकॉक किचन, यूबीडी टेक्नोलॉजीज, जेएम शेड्स, लेमिनेक्स/यूएफसी इंटरनेशनल, खेतान/फेदर लाइट, मनागलाम एसोसिएट्स, इंटीरियर एरा, होम्स टू लाइफ, लिंगल विंडोज/ऋषिका, केए डिजाइन्स, एकेएस, क्रेटलाइफ, अर्थ एंड वी, मिनाक्षी पॉलिमर प्राइवेट लिमिटेड, टर्माकिल, कॉलस्टन बाथ, शेवरॉन अर्बन एलएलपी, स्टार सीमेंट, जेनलिट्ज, सिनर्जी एप्लायंस, ब्लूम्स इंडिया, हार्डविन, तक्ष होम्स, पलराम, वीरेंद्र टेक्सटाइल्स, हाफेल/आईएसएआईडी, स्टर्लिंग, डर्लाम, रामको इंडस्ट्रीज, बीआईसी, एआईपीएल, किर्बी, श्री गणपति एप्लायंस, हेल्थ एन फिटनेस, पैरामाउंट, पीबीस्पेनर, शिभम वेंचर, मोजियो सेरामिक्स प्राइवेट लिमिटेड, टैज रूफिंग, एसबीएम रूफिंग, नीलगिरी, अशोक हार्डवेयर एपेक्स बिल्डिंग सिस्टम, एल्वोक्स एलीवेटर्स, प्लेटो बाथ, इनवोग बिल्डिंग, जयंती चित्रकार और एआरसी इंसुलेटर।

संपादकीय

अराजकता की आग में बांग्लादेश

बांग्लादेश में केवल तख्ता पलट ही नहीं हुआ है अपितु लोकतंत्र पर भी गहरी चोट हुई है। एक बार फिर साबित हो गया कि इस्लामिक कट्टरपंथी ताकतें लोकतंत्र को स्वीकार नहीं कर सकती हैं। बांग्लादेश से आ रहे दृश्य स्पष्टतौर पर रेखांकित कर रहे हैं कि यह देश कट्टरपंथी समूहों की साजिश का शिकार बन गया है। जिस तरह से बांग्लादेश के निर्माता शेख मुजीब उर रहमान की मूर्ति पर चढ़कर जिस प्रकार नाच रहे थे और उनकी प्रतिमा को क्षति पहुँचा रहे थे, उससे ही समझ आता है कि उपद्रव कर रही भीड़ की मानसिकता क्या रही होगी? जिस व्यक्ति ने पाकिस्तान के आतंक के खिलाफ खड़े होकर बांग्लादेशियों की रक्षा की, उन्हें दमन से मुक्ति दिलाई, स्वतंत्रता दिलाई, आज उनकी ही प्रतिमा को खंडित किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों का विरोध बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से कहीं अधिक लोकतंत्र, संविधान और उदारता के प्रति है। प्रधानमंत्री शेख हसीना तो त्यागपत्र देकर वहाँ से अपनी जान बचाकर निकल आईं लेकिन उपद्रवी इतने पर संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने उसी प्रकार की लूटपाट की जैसी श्रीलंका में देखी गई थी। ये कैसे प्रदर्शनकारी थे जो जेहादियों की भाँति लूट के माल लिए टूट पड़े। महिलाओं के अंतःवस्त्र लूटकर उन्हें विजयी परचम की तरह लहराते प्रदर्शनकारी युवक कितने निर्लज्ज होंगे। भारत की तथाकथित सेकुलर जमात अब तक इसे छात्र आंदोलन कह रही थी और तानाशाही के विरुद्ध संघर्ष का नाम दिया जा रहा था, लेकिन जिस प्रकार की नग्नता और हिंसा का प्रदर्शन बांग्लादेश की सड़कों से प्रधानमंत्री आवास तक हुआ है, वह आंदोलन तो कहीं से प्रतीत नहीं होता। इसके पीछे सांप्रदायिक ताकतें हैं। यही कारण है कि उपद्रवियों ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं के घरों एवं उनके मंदिरों को निशाना बनाया है। बांग्लादेश का नाम ऊंचा करनेवाले हिन्दू क्रिकेटर लिटन दास का घर आग के हवाले कर दिया। हिन्दुओं को लक्षित करके उन पर हमला करने के पीछे क्या मानसिकता रही होगी? यदि शासन या प्रधानमंत्री शेख हसीना के विरोध में यह आंदोलन होता, तब हिन्दुओं को निशाना बनाने का क्या औचित्य है? जो इस आंदोलन को केवल छात्र आंदोलन और उनके मुद्दों तक जोड़कर देख रहे हैं, वे बहुत बड़े भ्रम का शिकार हैं। बांग्लादेश को अराजकता के मोड़ पर लाने में कट्टरवादी इस्लामिक ताकतें हैं। जिन्होंने धीरे-धीरे अपना आधार बढ़ाया है। बांग्लादेश में बनी अराजक स्थितियों के पीछे चीन और पाकिस्तान की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। बहरहाल, जिस प्रकार की स्थितियां बांग्लादेश में बन गई हैं, वे भारत के अनुकूल नहीं दिख रही हैं। चूँकि बांग्लादेश हमारा पड़ोसी देश है, इसलिए वहाँ चल रही उठापटक पर पैनी नजर बनाए रखना, भारत सरकार की जिम्मेदारी है। यदि बांग्लादेश पाकिस्तान और चीन के चंगुल में फंसता है, तब भारत के लिए चुनौती बढ़ जाएगी। यही कारण है कि शेख हसीना के तख्तापलट को भारत सरकार ने गंभीरता से लिया है। सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर भी अच्छा कदम उठाया है। संकट की इस घड़ी में हम सबको एकजुट दिखना ही चाहिए। हिन्दुओं पर हो रहे हमलों पर भी भारत सरकार ने संज्ञान लिया है। वहाँ रह रहे भारतीय नागरिकों, अल्पसंख्यक हिन्दुओं के साथ-साथ लोकतंत्र की रक्षा करने में भी भारत सरकार को अपनी भूमिका का निर्वहन करना चाहिए।

बांग्लादेश से आ रहे दृश्य स्पष्टतौर पर रेखांकित कर रहे हैं कि यह देश कट् टरपंथी समूहों की साजिश का शिकार बन गया है। जिस तरह से बांग्लादेश के निर्माता शेख मुजीब उर रहमान की मूर्ति पर चढ़कर जिस प्रकार नाच रहे थे और उनकी प्रतिमा को क्षति पहुँचा रहे थे, उससे ही समझ आता है कि उपद्रव कर रही भीड़ की मानसिकता क्या रही होगी? जिस व्यक्ति ने पाकिस्तान के आतंक के खिलाफ खड़े होकर बांग्लादेशियों की रक्षा की, उन्हें दमन से मुक्ति दिलाई, स्वतंत्रता दिलाई, आज उनकी ही प्रतिमा को खंडित किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों का विरोध बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना से कहीं अधिक लोकतंत्र, संविधान और उदारता के प्रति है। प्रधानमंत्री शेख हसीना तो त्यागपत्र देकर वहाँ से अपनी जान बचाकर निकल आईं लेकिन उपद्रवी इतने पर संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने उसी प्रकार की लूटपाट की जैसी श्रीलंका में देखी गई थी। ये कैसे प्रदर्शनकारी थे जो जेहादियों की भाँति लूट के माल लिए टूट पड़े। महिलाओं के अंत:वस्त्र लूटकर उन्हें विजयी परचम की तरह लहराते प्रदर्शनकारी युवक कितने निर्लज्ज होंगे। भारत की तथाकथित सेकुलर जमात अब तक इसे छात्र आंदोलन कह रही थी और तानाशाही के विरुद्ध संघर्ष का नाम दिया जा रहा था, लेकिन जिस प्रकार की नग्नता और हिंसा का प्रदर्शन बांग्लादेश की सड़कों से प्रधानमंत्री आवास तक हुआ है, वह आंदोलन तो कहीं से प्रतीत नहीं होता।

बजट के माध्यम से औद्योगिक क्लस्टर पर फोकस किया गया है

मैन्युफैक्चरिंग हब बनने का परिदृश्य

डा. जयंतीलाल भंडारी

भारतीय उद्योग परिसंघ के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को जिस तरह सुविधाओं के साथ तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है, उससे दुनिया भर के निवेशक भारत आने के लिए उत्सुक हैं। ऐसे में देश के उद्योगों को भी इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाने में पीछे नहीं रहना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इन दिनों प्रकाशित हो रही वैश्विक आर्थिक एवं वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि 23 जुलाई को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा पेश किया गया वर्ष 2024-25 का बजट उद्योगों को समृद्ध करने का बजट है।

हाल ही में 30 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय उद्योग परिसंघ के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को जिस तरह सुविधाओं के साथ तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है, उससे दुनिया भर के निवेशक भारत आने के लिए उत्सुक हैं। ऐसे में देश के उद्योगों को भी इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाने में पीछे नहीं रहना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इन दिनों प्रकाशित हो रही वैश्विक आर्थिक एवं वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि 23 जुलाई को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा पेश किया गया वर्ष 2024-25 का बजट उद्योगों को समृद्ध करने का बजट है। इस बजट के माध्यम से जिस तरह मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूत करते हुए आयात घटाने व निर्यात बढ़ाने के अभूतपूर्व प्रावधान किए गए हैं, उनसे भारत के नए मैन्युफैक्चरिंग हब बनने का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर देश से निर्यात और रोजगार सृजन दोनों में अहम योगदान देता है और इसके प्रोत्साहन के लिए इस बजट में खास ख्याल रखा गया है। इस बजट के माध्यम से औद्योगिक क्लस्टर पर फोकस किया गया है। औद्योगिक क्लस्टर उन्हें कहा जाता है, जहां पर एक ही जगह किसी आइटम के निर्माण से जुड़ी तमाम सुविधा उपलब्ध होती है, मैन्युफैक्चरिंग आसान हो जाती है और उसकी लागत भी कम हो जाती है। वित्तमंत्री ने बजट में देश के 100 शहरों में प्लग एंड प्ले वाले औद्योगिक पार्क बनाने की घोषणा की है। केंद्र, राज्य और निजी सेक्टर की आपसी सहभागिता से प्लग एंड प्ले सुविधा वाले औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे।

खास बात बात यह है कि उद्यमी को ऐसे औद्योगिक पार्क में जाकर सिर्फ उत्पादन शुरू करना होता है। मुख्य रूप से नए निर्यातकों तथा उद्यमियों को मैन्युफैक्चरिंग के प्रति आकर्षित करने के लिए प्लग एंड प्ले मॉडल लाया जाता है। उल्लेखनीय है कि निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर चीन व अन्य देशों में वर्षों से प्लग एंड प्ले मॉडल पर मैन्युफैक्चरिंग हो रहा है और वहां कई जगहों पर उद्यमी को मशीन तक लगाने की जरूरत नहीं होती है। नए बजट के प्रावधानों के तहत 100 शहरों में प्लग एंड प्ले वाले सुविधा वाले औद्योगिक क्लस्टर या पार्क के विकसित होने से कम से कम 100 प्रकार के आइटम का बड़े पैमाने पर उत्पादन हो सकता है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि एक औद्योगिक पार्क में एक आइटम से जुड़े उत्पादन की तमाम सुविधाएं दी जा सकती हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2024-25 के बजट में वित्तमंत्री ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर सशक्त बनाया है। ज्ञातव्य है कि देश के जीडीपी और निर्यात दोनों में ही 40 प्रतिशत से अधिक का योगदान देने वाले एमएसएमई को सबसे अधिक कठिनाई कर्ज लेने में ही आती है। नए बजट में सरकार ने इस समस्या को दूर करने की कोशिश की है। नए बजट में मशीनरी की खरीददारी के लिए क्रेडिट गारंटी स्कीम लांच की गई है। इस स्कीम के तहत सेल्फ फाइनेंसिंग गारंटी फंड बनाया जाएगा जिसके तहत 100 करोड़ तक के लोन की गारंटी होगी। नए बजट के प्रावधानों के तहत कर्ज लेने वाले एमएसएमई को सिर्फ अपफ्रंट गारंटी फीस देनी होगी। खास बात यह भी है कि डिजिटल ट्रांजेक्शन के आधार पर भी एमएसएमई को लोन दिए जाएंगे। बजट की घोषणा के मुताबिक बैंक एमएसएमई को डिजिटल लेन-देन के मूल्यांकन के आधार पर लोन देगा। इस व्यवस्था से उद्यमियों को कारोबार बढ़ाने के लिए आसानी से लोन मिल सकेगा। यह पाया गया है कि कारोबारी परेशानी की वजह से एमएसएमई का कारोबार कई बार दिक्कत में आ जाता है और वे बैंक के कर्ज को नहीं चुका पाते हैं। एक से अधिक किस्त नहीं चुका पाने पर धीरे-धीरे वे एनपीए घोषित होने के कगार पर आ जाते हैं। एमएसएमई को इस परेशानी से बचाने के लिए अलग से फंड बनाने की घोषणा की गई है। निश्चित रूप से नए बजट के प्रावधानों के तहत एमएसएमई के उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ जाने पर उन्हें काफी फायदा हो सकता है।

इसे ध्यान में रखते हुए खाद्य आइटम से जुड़े एमएसएमई सेक्टर में उनकी गुणवत्ता जांच को लेकर 50 यूनिट खोलने के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि नए बजट के तहत इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को विनिर्माण बेहतर करने और मेक इन इंडिया पहलों के तहत दो महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए पिछले वर्ष के 9509 करोड़ रुपए से बढ़ाकर कुल आवंटन 21085 करोड़ रुपए किया गया है। बहुप्रचारित उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के अभूतपूर्व बजट प्रावधान हैं। खिलौना, जूते, चमड़े, उद्योगों के विकास के साथ सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले के विकास का संशोधित कार्यक्रम भी प्रोत्साहित किया गया है। इसके तहत कंपनियों को देश में सिलिकॉन और कंपाउंड फैबरिकेशन (फैब), डिस्प्ले फैब, असेम्बली, टेस्टिंग, मार्किंग व पैकेजिंग (एटीएमपी), आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेम्बली और टेस्ट व डिजाइन करने के लिए विशेष प्रोत्साहन दिए गए हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2024-25 के बजट से भारत से निर्यात बढ़ाने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। पिछले वर्ष 2023 में जी-20 के सफल आयोजन के साथ दुनिया में यह बात उभरकर सामने आई है कि 'चीन प्लस वन' रणनीति के तहत भारत दुनिया के सक्षम व भरोसेमंद देश के रूप में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला वाले देश के रूप में नई भूमिका निभा सकता है। दुनिया का कोई दूसरा देश इस तरह के परिचालन के पैमाने और आकार की पेशकश नहीं कर सकता, जैसा भारत में उपलब्ध है।

दृष्टि कोण

उन्नत सड़क ही गांव को विकास से जोड़ेगा

हमारे देश के विकास में जिन क्षेत्रों का बहुत अहम योगदान है उसमें सड़कों की भी एक बड़ी भूमिका है। माना यह जाता है कि जिस क्षेत्र या गांव में सड़कें टूटी और जर्जर होंगी वहां विकास की कल्पना अधूरी होगी। यानि जिस क्षेत्र या गांव में सड़क की स्थिति बेहतर नहीं होगी वहां अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा विकास की रफ़्तार धीमी रहेगी। निवेश, जो अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी रीढ़ कहलाती है, इसी उन्नत सड़क पर निर्भर है। इसके इसी महत्व को समझते हुए केंद्र और सभी राज्य सरकारों ने इस पर विशेष ध्यान दिया है। राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ साथ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत गांवों के सड़कों को भी बेहतर किया जा रहा है। लेकिन राजस्थान के राजपुरा हुडान गांव जैसे देश के कई ऐसे दूर दराज़ ग्रामीण क्षेत्र आज भी ऐसे हैं जो सड़क की खस्ताहाली के कारण विकास की दौड़ में पिछड़ रहे हैं।

इस संबंध में 45 वर्षीय तेवाराम कहते हैं कि राजपुरा हुडान में कच्ची सड़क होने के कारण परिवहन की कोई सुविधा नहीं है। इसके कारण राज्य परिवहन निगम की कोई बस गांव में नहीं आती है। लोगों को जिला मुख्यालय या अन्य शहर जाने के लिए गांव से तीन किमी दूर मुख्य सड़क तक पैदल जाना होता है। सड़क इतनी कच्ची और धूल से भरी हुई है कि यदि कोई निजी वाहन गांव में आता है तो आसपास का पूरा इलाका धूल से भर जाता है। अभी बारिश का मौसम शुरू हो चुका है। ऐसे में इस सड़क की क्या स्थिति होगी, इसका आंकलन कोई भी सहज कर सकता है। तेवाराम बताते हैं कि कच्ची सड़क होने से केवल गांव का आर्थिक विकास ही ठप्प नहीं हुआ है बल्कि यहां का सामाजिक वातावरण भी प्रभावित हो रहा है। इसके कारण कई लड़कों का रिश्ता केवल इस जर्जर सड़क के आधार पर टूट गया। लड़की वाले यह कहकर रिश्ता तोड़ देते हैं कि इस गांव में उनकी बेटी को कहीं भी आने जाने में असुविधा होगी। बारिश के दिनों में राजपुरा हुडान का संपर्क अन्य क्षेत्रों से लगभग कट जाता है क्योंकि कोई भी गाड़ी वाला इस दौरान यहां आने को तैयार नहीं होता है। वह कहते हैं कि बदलते समय के साथ यहां कई

मकान पक्के हो गए लेकिन सड़क आज तक कच्ची है।

राजपुरा हुडान जिला बीकानेर से 90 किमी और ब्लॉक लूणकरणसर से 18 किमी दूर है। 2011 की जनगणना के अनुसार इस गांव की आबादी लगभग 1863 है। अनुसूचित जाति बहुल इस गांव के अधिकतर पुरुष कृषि अथवा बीकानेर और उसके आसपास के शहरों में दैनिक मज़दूर के रूप में काम करते हैं। जिसके लिए उन्हें प्रतिदिन बस पकड़नी होती है। इस संबंध में 35 वर्षीय राजकंवर कहते हैं कि उन्हें प्रतिदिन काम के सिलसिले में बस पकड़नी होती है। जो पीछे के गांव से चलती है। वह बस हमेशा यात्रियों से खचाखच भरी होती है। जब वह बस कंडक्टर से राजपुरा से एक बस शहर के लिए चलाने के लिए कहते हैं तो उनका जवाब होता है "पहले गांव की सड़क बनवा लो, फिर बस चलाने की बात करना क्योंकि तुम्हारे गांव की सड़क इतनी जर्जर है कि वहां से जितने यात्री नहीं चढ़ेंगे उससे अधिक बस की मरम्मत कराने में पैसा लग जायेगा"। वहीं 30 वर्षीय चैतराम कहते हैं कि करीब दो हज़ार की आबादी वाले इस गांव में पक्की सड़क का न होना कठिनाई का सबसे बड़ा कारण है। लगभग 6 साल पहले इस सड़क को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निर्मित किया गया था, लेकिन उसके बाद कभी भी इसकी मरम्मत नहीं की गई, जिसकी वजह से धीरे धीरे यह सड़क चलने के काबिल नहीं रह गई। गांव के एक 26 वर्षीय दिव्यांग बीणाराम कालो बताते हैं कि वह दोनों पैरों से पोलियो ग्रसित हैं। सरकार की ओर से उन्हें हाथ से चलाने वाला साईकिल तो मिल गया है लेकिन सड़क की जर्जर स्थिति के कारण वह कहीं आने जाने में इसका प्रयोग नहीं कर पाते हैं। बारिश के दिनों में वह घर में लगभग कैद होकर रह जाते हैं क्योंकि उन दिनों सड़क की हालत इतनी बुरी हो चुकी होती है कि उस पर उनका तो क्या, आम आदमी का चलना मुश्किल हो जाता है।

यहां की खस्ताहाल सड़क ने केवल विकास को ही नहीं बल्कि गांव की किशोरियों की शिक्षा और महिलाओं के स्वास्थ्य को भी प्रभावित किया है। 22 वर्षीय सुधा कहती है कि सड़क बेहतर नहीं होने के कारण अधिकतर लड़कियों की 12वीं के बाद पढ़ाई छूट जाती है क्योंकि कॉलेज जाने के लिए मुख्य सड़क तक पैदल जाना होता है। वहां तक अकेले जाने की अभिभावक परमिशन नहीं देते हैं। अगर गांव की सड़क बेहतर हो जाए तो परिवहन सुविधा की आसानी हो जाएगी और ट्रांसपोर्ट की बसें गांव के अंदर तक आ सकेंगी। वह बताती है कि गांव के जो घर आर्थिक रूप से संपन्न हैं उनके घर वाले लड़कियों को कॉलेज जाने और वापसी पर घर लाने के लिए मुख्य सड़क तक बाइक का इस्तेमाल करते हैं लेकिन हमारे लिए यह मुमकिन नहीं है।

कुछ अलग

बजट व पर्यावरण

हाल ही में केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने देश का 2024-25 का 48.21 लाख करोड़ रुपयों का बजट पेश किया था। बजट के जो नौ आधार कृषि, कौशल विकास, मानव संसाधन विकास, मेन्युफेक्चरिंग सेवाएं, इंफ्रास्ट्रक्चर, शहरी विकास, नवाचार, शोध व विकास, ऊर्जा सुरक्षा एवं आर्थिक सुधार बताए गए, उनमें पर्यावरण की समस्याएं एवं सुधार कहीं नजर नहीं आया। केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को दिया गया 3330.37 करोड़ रुपयों का आबंटन देश के बिगड़े पर्यावरण के हालात के मद्देनजर काफी कम है। संगठन 'आयक्यूएअर' ने इसी वर्ष के प्रारंभ में अपनी रिपोर्ट में बताया था कि विश्व के 10 सबसे प्रदूषित शहरों में 09 हमारे देश के हैं तथा सबसे ज्यादा प्रदूषित 10 देशों में हमारा देश तीसरे स्थान पर है। देश की 96 प्रतिशत आबादी प्रदूषित वायु में सांस ले रही है। वर्ष 2019 में देश के 138 शहरों में शुरू किए गए राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत तय किया गया था कि वर्ष 2024-25 तक वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआय) घटाकर 50 के लगभग लाया जाएगा। इसी संदर्भ में मार्च 2022 में संसदीय समिति की रिपोर्ट में कहा गया था कि ज्यादातर शहरों में वायु गुणवत्ता में सुधार काफी कम हुआ है, अतः बजट बढ़ाया जाए, कार्य में पारदर्शिता लाएं तथा समाज की भागीदारी बढ़ाई जाए। 30 लाख से ज्यादा आबादी वाले 14 शहरों को विकास हेतु 11.11 लाख करोड़ रुपए आबंटित किए गए हैं। ये शहर पर्यावरण को महत्व देकर वायु एवं जल प्रदूषण, नियंत्रण, जलस्त्रोतों के संरक्षण, हरियाली विस्तार एवं वर्षा-जल पुनर्भरण पर ध्यान दें तो आदर्श शहर बन सकते हैं। जलस्त्रोत एवं नदियों के विकास के तहत गंगा सफाई हेतु 30033.83 करोड़ रुपए आबंटित किए गए हैं। बजट में पैसे देने से गंगा साफ नहीं होगी, अपितु इसके प्रदूषण के मूलभूत कारणों को जानकर उन्हें समाप्त करने के प्रयास ईमानदारी से करने एवं करवाने होंगे। अभी हाल ही में उत्तरप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण मंडल की रिपोर्ट देखकर राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) की प्रधान खंडपीठ ने कहा है कि प्रयागराज में ही गंगा का पानी पीने एवं आचमन के योग्य नहीं है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अनुसार अध्ययन की गई 521 नदियों में से 351 प्रदूषित पाई गईं। इन नदियों के प्रदूषण स्तर की गणना कर उस हिसाब से बजट में पैसा दिया जाना था। एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती के संदर्भ में सिंचाई के लिए जल एवं भूमि की उर्वरता पर ध्यान देना होगा। प्राकृतिक खेती में यदि प्रदूषित पानी से सिंचाई की गई तो फिर वह कितनी प्राकृतिक रहेगी? राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी संस्थान (नीरी), नागपुर ने दो वर्ष पूर्व अध्ययन कर बताया था कि देश की लगभग 30 प्रतिशत भूमि में उत्पादकता समाप्त हो गई है। बाढ़ नियंत्रण एवं सिंचाई हेतु आबंटित 11.500 करोड़ रुपए भी कम ही लगते हैं, क्योंकि बाढ़ से हानि काफी अधिक होती है। शहर एवं बाहरी क्षेत्रों में बाढ़ नियंत्रण हेतु हरियाली, विशेषकर पेड़ बचाना जरूरी है, परंतु पेड़ शहर एवं जंगल दोनों जगह कम हो रहे हैं। शहरों में विकास के नाम पर तो जंगलों में विद्युत, रेल, सडक़, बांध एवं खनन कार्य की परियोजनाओं के नाम पर काटे जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में रतलाम-खंडवा ब्राडगेज रेललाइन तथा उत्तरप्रदेश में कावडियों के एक मार्ग हेतु क्रमशः 80 हजार एवं 30 हजार पेड़ काटना प्रस्तावित है। कुछ अन्य कारणों से शहरों एवं जंगलों में पेड़ों की कमी से गर्मी एवं लू का प्रकोप बढ़ता जा रहा है जिसे वर्ष 2024 में अभी तक महसूस भी किया गया। सिक्किम में लू के दिनों की संख्या दहाई में हो गई है एवं उत्तराखंड की कई नदियां जून में ही उफन गई हैं।

देश दुनीया से

नानक दुखिया सब संसार

दरवाजे के पास एक लोहे के मजबूत पाए से बंधे जंजीर का ताला खोलकर उसने रिक्शा निकाला । रिक्शे को उसने झाड़ा- पोंछा ,तेल – फुलेल डाला और भगवान का नाम लेकर चल पड़ा। बिस्तर पर पड़ी उसकी पत्नी रधिया उसे लाचारी से जाते हुए देखती रही । उसकी तबियत इतनी खराब थी कि उठकर चूल्हा भी न जला सकी थी। सुबह गली के नुक्कड़ पर जाकर निब्बर एक कप चाय और एक डबल रोटी ले आया था ।निब्बर ने सिर्फ दो घूंट चाय पी और बाकी की चाय और डबलरोटी उसे खिला-पिला दी थी।

शहर की झोपड़पट्टी माने वाले इलाके का नाम इंद्र पुरी था । अपने नाम के उलट मुर्गी के दड़बों की तरह बेतरतीब बसी हुई इंद्रपुरी झोपड़पट्टी की एक झोपड़ी से निब्बर रोजगार पर जाने के लिये बाहर निकला। दरवाजे के पास एक लोहे के मजबूत पाए से बंधे जंजीर का ताला खोलकर उसने रिक्शा निकाला । रिक्शे को उसने झाड़ा- पोंछा ,तेल – फुलेल डाला और भगवान का नाम लेकर चल पड़ा। बिस्तर पर पड़ी उसकी पत्नी रधिया उसे लाचारी से जाते हुए देखती रही । उसकी तबियत इतनी खराब थी कि उठकर चूल्हा भी न जला सकी थी। सुबह गली के नुक्कड़ पर जाकर निब्बर एक कप चाय और एक डबल रोटी ले आया था ।निब्बर ने सिर्फ दो घूंट चाय पी और बाकी की चाय और डबलरोटी उसे खिला-पिला दी थी। निब्बर को भूखे पेट रिक्शा ले जाते हुए देखकर उसकी पत्नी रधिया का कलेजा मुंह को आ गया मगर मजबूरी जो न कराए। बीते कल में निब्बर को एक भी सवारी नसीब नहीं हुई थी और आज का दिन भी निब्बर का रामभरोसे ही था।

पूरी दोपहरी निब्बर इधर उधर रिक्शा दौड़ाता रहा मगर उसे एक भी सवारी नसीब नहीं हुई । हारकर उसने रिक्शे को सड़क किनारे खड़ा किया और पेड़ के नीचे सुस्ताने लगा । पेड़ की छांव में ही एक ठेले वाला समोसा बेच रहा था । लू से मौसम दहक रहा था मगर समोसे का आकर्षण ही ऐसा था कि लोग बाग गर्मी को नजर अंदाज करके समोसे खा रहे थे । छन कर निकलते हुए समोसों के लिये लाइन लगी थी।

सन्नाटे से भरी सड़क के किनारे लगी कुछ इंसानों की लाइन को परम ज्योति ने भी नोटिस किया । उसका दिमाग गर्मी और ऑटो वाले की बदतमीजी से भन्नाया हुआ था । इस गर्मी में वह माइग्रेशन सर्टिफिकेट लेने कालेज गई थी । वहाँ पहले आफिस वालों ने दोपहर तक उसे परेशान किया फिर दो दिन बाद आने को बुलाया। भन्नाई हुई वह बाहर आई तो सीधे उसके घर जाने के लिए कोई ऑटो वाला तैयार नहीं हुआ । तीस रुपये उसके घर का अधिकतम किराया लगता था मगर बमुश्किल साठ रुपये में एक ऑटो वाले ने जाने की हामी भरी। झुलसाती गर्मी और तपती लू में परम ज्योति के पास कोई विकल्प न था । मज़बूरन उसने तय कर लिया और ऑटो वाले की ज़िद मानते हुए किराया भी एडवांस दे लिया। आधे रास्ते में ही ऑटो वाले ने आगे जाने से मना कर दिया । ऑटोवाले ने यह कहते हुए कि "पेट्रोल खत्म हो गया है " ऑटो रोक दिया। परम ज्योति के घर के दो किमी पहले ही ऑटो वाले ने उसे उतार दिया।

उसने बहुत इसरार किया मगर न जाने क्यों ऑटो वाला आगे जाने को राजी न हुआ। उसने आधे रास्ते के तीस रुपये भी काट लिए और और तीस रुपये परम ज्योति को लौटाते हुए चलता बना । परम ज्योति गर्मी और क्रोध के अतिरेक से उबल गई । वह अंगारों पर लोटती हुई पैदल ही घर की तरफ चल दी। थोड़ी दूर चलने के बाद सड़क के किनारे उसे समोसे के ठेले के पास कुछ भीड़ दिखी और वहीं दिखा फटा – उजड़ा निब्बर का रिक्शा । वह रिक्शे के पास पहुंची । उसने रिक्शे की दुर्गति देखी। उसने नजर दौड़ाई तो रिक्शे वाला कहीं नजर नहीं आ रहा था। उसके मन में बहुत हिचकिचाहट हुई मगर फिर भी उसने रिक्शे की गद्दी पर हाथ रखा। अचानक समोसे के ठेले के पास लगी भीड़ में से कहीं से निब्बर निकल कर आया और उसके सामने खड़ा हो गया ।

परम ज्योति ने पूछा –"मानसपुरी चलोगे ,कितना लोगे ?"

" जरूर चलेंगे , जो मन हो दे दीजियेगा " निब्बर ने कहा। परम ज्योति ने ऑटो वाले के लौटाए हुए पैसे हाथ में ही पकड़ रखे थे। उन पैसों को अभी हैंड बैग में नहीं रखा था । उसने झुंझलाते हुए कहा – "तीस रुपये दूंगी। इतने कम नहीं होते । इससे एक पैसा ज्यादा नहीं ,चलना है तो चलो नहीं और कोई रिक्शा देखूं"।

" पैसों के कम ज्यादा होने की बात नहीं है बिटिया । ये पैसे आप मुझे एडवांस दे दीजिए तो कुछ खा लूं ।सुबह से कुछ नहीं खाया। भूख के मारे इतनी गर्मी में खाली पेट रिक्शा खींचा नहीं जाएगा"निब्बर ने कातर स्वर में कहा।

परम ज्योति ये सुनकर हैरान हो गई । वो बस एकटक देखती रही निब्बर को। निब्बर जान गया कि एडवांस नहीं मिलेगा । फिर भी उसने रिक्शा परम ज्योति के आगे करते हुये लगा दिया और उसे बैठने का इशारा किया ।

परम ज्योति ने कुछ सोचा और तीस रुपये निब्बर के हाथों पर रखते हुए कहा " ये लो बाबा, जाओ खा लो मगर जरा जल्दी करना "।

आप का नजरीया

गांव के पांव में शहरी कदम

पैसे की दरकार ने हिमाचल को शहरीकरण के दायरे और दायित्व समझा दिए हैं, वरना ग्रामीण योजनाओं की पलकों पर यह प्रदेश अपनी सोहबत की मजदूरी कर रहा था। पहला गंभीर प्रयास बतौर शहरी विकास मंत्री सुधीर शर्मा ने किया जब शिमला के बाद धर्मशाला के शहरी योजना क्षेत्र का विस्तार करते हुए दूसरे नगर निगम की स्थापना की गई। इससे पहले बीबीएन शहरी विकास प्राधिकरण का गठन करके औद्योगिक शहर के प्रारूप में सुधार करने की कोशिश की गई, लेकिन शहरीकरण की पहचान और केंद्रीय संसाधनों में कोई स्थान ग्रहण करने की नीयत से कुछ नहीं हुआ। नगर पंचायतें, नगर परिषदों और नगर निगमों की तादाद भले ही बढ़ी, लेकिन आबादी को शहरीकरण के विस्तार में नहीं देख गया, नतीजतन राष्ट्रीय योजनाओं के मानदंड से हिमाचल के कई शहर फिसल रहे हैं। ताजातरीन उदाहरण अम्रुत मिशन के तहत आए 258 करोड़ रुपए के अंतर्गत पेयजलापूर्ति का है, जहां आबंटन को लेकर मानदंड की अड़चनों ने सत्रह शहरों की प्यास बुझाने के लिए नीतिगत अवरोधक पैदा किए हैं। ऐसी कई अन्य परियोजनाएं भी हैं, जहां शहरी विकास के मद में राष्ट्रीय नीतियों को हम समझ नहीं पाए। विडंबना यह है कि राजनीतिक पसंद में गांव के पांव में शहर के कदम गिने जाते हैं, वरना पालमपुर जैसा शहर कल तक केवल साढ़े तीन हजार की आबादी को ही शहरी लाभ न दे रहा होता। यह एक बड़ा फैसला था जहां जयराम सरकार ने पालमपुर नगर निगम के तहत एक बड़ी शहरी हलचल को नया प्रारूप दिया। इसी तरह मंडी व सोलन भी नगर निगम बन गए, लेकिन मर्ज्ड एरिया अभी न तो पूर्ण शहरी खाके में आए हैं और न ही नागरिकों के उत्थान की लागत में कर मुकर्रर हुए हैं। धर्मशाला नगर निगम के गठन को एक दशक हो रहा है, लेकिन राजनीति के सिवाय हो कुछ नहीं रहा। नागरिक जवाबदेही के कुछ नैतिक आधार हैं जिनकी पालना के बिना हम हिमाचल के भविष्य को नजरअंदाज कर रहे हैं। मर्ज्ड एरिया या नए शहरी निकायों में नागरिक अधिकार तो ढूंढे जा रहे हैं, लेकिन कत्तव्यों की व्याख्या नहीं हो रही। हो यह रहा है कि हिमाचल का नागरिक समाज अपनी-अपनी जमीन पर साम्राज्य खड़ा करना तो चाहता है, लेकिन अपने लिए सामाजिक सुविधाओं के रूप में सरकार से ही सुविधाएं चाहता है। हम निर्माण तो कर रहे हैं, लेकिन अपना आधार पुख्ता नहीं कर पा रहे। यह इसलिए कि लगभग आधी सदी का टीसीपी एक्ट यहां कूड़ेदान की दीमक के हवाले है। हमारी रतीभर भी संवेदना होती तो नगर नियोजन की परिधि में शहर का भविष्य सुनिश्चित होता। मसलन घुमारवीं शहर अगर 'अम्रुत शहर' की कैटेगिरी में न आने से जलापूर्ति के 50 करोड़ से दूर हो रहा है, तो गलती तो अवधारणा की है। घुमारवीं की अगर एक पूर्ण शहरी विकास योजना टीसीपी एक्ट की अनुपालना में बनी होती, तो आबादी का एक बड़ा भाग केंद्रीय शहरी योजनाओं से लाभान्वित हो चुका होता। हम शहर को शहर की व्याख्या या टीसीपी की परिधि में इसलिए नहीं लाते, ताकि कहीं नागरिक करों से प्रभावित न हो जाएं। नागरिक को जब तक हम वोटर तसदीक करते रहेंगे, हम जवाबदेह समाज और प्रगतिशील राज्य नहीं बना सकते। राज्य की दो टांगों में से एक की जिम्मेदारी नागरिक समाज को उठानी पड़ेगी।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हिंसा के विरोध में भीलवाड़ा में प्रदर्शन, व्यापारिक प्रतिष्ठान रहे बंद

भीलवाड़ा (हिंस)। बांग्लादेश में हाल ही में हुए हिंसात्मक घटनाक्रम और वहां के हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों के विरोध में भीलवाड़ा में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुआ। संत व सनातन धर्म समाज द्वारा आयोजित इस आंदोलन में संतो और महात्माओं के नेतृत्व में एक ज्ञापन महामहिम राष्ट्रपति को सौंपा गया, जिसमें बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग की गई है। प्रदर्शन की शुरुआत प्रात: 9 बजे अयोध्या नगरी शहीद चैक से हुई। यहां संत समुदाय, सर्व समाज संगठन के सदस्य और नागरिक एकत्रित हुए और रैली के रूप में धान मण्डी, बड़ा मंदिर, सर्राफा बाजार, मुख्य बाजार, गोल प्याऊ और स्टेशन चैराहा होते हुए मुखर्जी उद्यान पहुंचे। रैली के दौरान जनसमूह भगवा पताकाएं लहरा रहा था और ष्हिंदू एकता जिंदाबादष् जैसे नारे लगाए जा रहे थे। रैली में प्रमुख संतों में महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन, महंत बाबूगिरी, महंत बनवारीशरण काठिया बाबा,

संत पंच मुरारी, महंत रामदास रामायणी और संत परमेश्वरदास शामिल हुए। इनके साथ ही भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी, विहिप के ओमप्रकाश बूलिया, बजरंग दल के अखिलेश व्यास, सनातन सेवा समिति के अशोक मुंदड़ा और कई अन्य संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। ज्ञापन में बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों की भर्त्सना की गई। विशेष रूप से, बांग्लादेश में हिंदू धार्मिक स्थलों, घरों, व्यवसायिक संस्थानों और महिलाओं पर हो रहे हमलों का विरोध किया गया। ज्ञापन में भारतीय सरकार से बांग्लादेश में पीड़ित हिंदू अल्पसंख्यकों को भारत लाने और उन्हें भारतीय नागरिकता देने की मांग की गई है। भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी ने प्रदर्शनकारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह रैली सर्व समाज और संगठनों को जागरूक करने का एक प्रयास है। उन्होंने भीलवाड़ा की जनता का व्यापारिक प्रतिष्ठानों को दोपहर 12 बजे तक बंद रखने के लिए आभार व्यक्त किया। महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन ने अपने उद्बोधन में बांग्लादेश की स्थिति को चिंताजनक बताते हुए कहा कि हिंदू समाज को सजग और जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने इस मुद्दे को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उठाने की भी बात की। प्रदर्शन के दौरान विभिन्न समाजिक और धार्मिक संगठनों के सदस्य भी शामिल हुए। इनमें दुर्गा शक्ति अखाड़ा, दुर्गा वाहिनी, राजस्थान प्रांतीय तैलिक साहू महासभा, भारतीय सिंधु सभा और विप्र फाउंडेशन जैसे संगठन शामिल थे।

गोवंश संरक्षण को लेकर गौ भक्तों ने निकाला पैदल रोष मार्च

यमुनानगर (हिंस)। गोवंश की स्थिति में सुधार की मांग को लेकर गऊ संवर्धन न्यास के बैनर तले सैकड़ो गौभक्त शहर के नेहरू पार्क से पैदल रोष प्रदर्शन करते हुए लघु सचिवालय पहुंचे और जिला उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। शुक्रवार को इस मौके पर हिंदू संघर्ष समिति के सदस्य उदयवीर शास्त्री ने बताया कि प्रदेश भर में आज गोवंश कूड़े के ढेरों पर नजर आती है और इनका कोई संरक्षण नहीं किया जा रहा है। उन्होंने हिंदुत्व के नाम पर राजनीति करने वाली पार्टी पर विशेष कर आरोप लगाते हुए कहा कि माता तुल्य गोवंश की स्थिति में सुधार करने के दावे और वायदे तो बड़े किए गए लेकिन इसकी जमीनी हकीकत कुछ और है। उन्होंने कहा कि जो गौवंश हमें दूध, घी, दही व मक्खन सब कुछ देती है, क्या उसका संरक्षण करना हमारी नैतिक वह सामाजिक जिम्मेदारी नहीं है। उन्होंने कहा कि जिसके लिए सरकार ने सरंक्षण के बड़े-बड़े वादे किए लेकिन आज गांव से लेकर शहर

तक गोवंश का सड़कों पर बुरा हाल है। उन्होंने कहा कि आज सड़कों पर गोवंश दुर्घटना का शिकार हो रहें है। तस्करों द्वारा चोरी कर इनको वध के लिए बेचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गोवंश आयोग तो बनाया गया लेकिन आज भी गौशालाओं, गौअभ्यारण का जमीनी स्तर पर कोई सुधार नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि जिले के 511 गांव में गौमाता के नाम पर 3994 हजार एकड़ गोचर भूमि पड़ी है और कई सैकड़ो एकड़ भूमि जोहड व रोड़ाहड्डी की है जिसे सरकारी तंत्र व कब्जा से मुक्त कराया जाए और गोवंश के भविष्य के लिए आरक्षित की जाए। उन्होंने कहा कि 2016 में मुख्यमंत्री ने छछरौली दौरे के दौरान गोवंश अभ्यारण की घोषणा भी की थी, जो सिर्फ कागजों में ही बंद होकर रह गई। उसे जमीन पर लाया जाए। उन्होंने कहा कि हरियाणा के साथ-साथ हिमाचल, उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश की सीमाएं लगती हैं।

कांग्रेस पार्टी की जीत सुनिश्चित मतदाताओं में उत्साह का माहौल : लाल बहादुर खोवाल

हिसार (हिंस)। हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल ने बरवाला हलके के मिल गेट एरिया में आयोजित विभिन्न नुक्कड़ सभाओं व जलपान कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। उन्होंने मिल गेट निवासियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात करके वहां की समस्याओं पर मंथन किया और समस्याओं के समाधान के लिए आश्वसत भी किया। लाल बहादुर खोवाल ने शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रमों में जनता से मुलाकात की। इस कार्यक्रम के दौरान पूर्व जेडएमईओ शैलेश वर्मा व स्वामी चंद्रदेव ने भी बीजेपी द्वारा पैदा की गई जन समस्याओं पर भी गहरी चिंता व्यक्त की। डॉ. मंदीप पूनिया, वीरेंद्र सेलवाल, कुलवंत सैनी, बजरंग इंदल, रामनिवास सिकारपुर, जयप्रकाश एमसी, ओमप्रकाश जलंधरा, प्रकाश स्वामी, बसंत कुमार, रघबीर, संजय स्वामी, अरविंद सिहाग, महाबीर, सुनील कुमार, रवि कुमार, रामफल फरमाना, बलबीर सिंह जांगड़ा, रामनिवास ढाणी खान बहादुर, भरत सिंह किरोड़ीवाल, मुकेश यादव, सुरज सैनी दलीप सिंह, रोशन लाल सहित काफी गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रयागराज आजादी के आंदोलन का केंद्र रहा : केशव प्रसाद मौर्य

प्रयागराज (हिंस)। आज के ही दिन लखनऊ स्थित काकोरी में 100 वर्ष पहले घटी वह घटना जिसने अंग्रेजी सरकार को हिलाकर रख दिया दिया था। क्रांतिकारियों द्वारा किया गया, यह कार्य आने वाली युवा पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करेगा और राष्ट्र के प्रति समर्पण में उन्हें प्रेरणा देगा। जहां की माटी में देश के महान सपूत बलिदान हुए वह माटी चंदन के समान है। प्रयागराज आजादी के आंदोलन का केंद्र रहा है। यह बातें काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह के अवसर पर अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद पार्क में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित होने आए प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने काकोरी ट्रेन एक्शन के अमर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन करने के उपरांत संबोधित करते हुए कही। डिप्टी सीएम ने कहा कि अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद, मदन मोहन मालवीय, बाबा भीमराव अंबेडकर, शहीद रोशन सिंह जैसे महान सपूतों की प्रतिमा इस शहर में है। अंग्रेजों द्वारा देश के गरीबों का धन लूटा जा रहा था तब देश की आजादी के लिए महान वीर सपूतों ने काकोरी ट्रेन एक्शन को अंजाम दिया। डिप्टी सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने भारत के स्वाधीनता संग्राम के इतिहास के एक अहम् अध्याय *काकोरी कांड* का नाम बदलकर *काकोरी ट्रेन एक्शन* कर दिया है। इसका नाम इसलिये बदल दिया गया क्योंकि *कांड* शब्द भारत के स्वतंत्रता संग्राम के तहत इस घटना के अपमान की भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि तिरंगे की आन-बान-शान को कभी आंच नहीं आने देना है, ऐसा हर देशवासी को संकल्प लेना होगा। महापुरुषों की स्मृतियों में होने वाले कार्यक्रमों में सब को एकजुट होना चाहिए। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश को आगे बढ़ाने का लक्ष्य है। 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा लहराना चाहिए। देश विरोधियों को लहराता हुआ तिरंगा जवाब देगा। लोग अपने निजी प्रतिष्ठानों पर भी तिरंगा फहराएं ऐसी अपील की जाती है। हर घर तिरंगा अभियान पोर्टल पर अपनी फोटो लोड करें। सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है देखना है जोर कितना बाजुएं कातिल में है। देश को आत्म निर्भर विकसित बनाने की तमन्ना हमारे दिल में है। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर काकोरी ट्रेन एक्शन की एक शताब्दी पूर्ण होने पर आयोजित शताब्दी समारोह में प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

गांव-गांव ढाणी-ढाणी तक पहुंचेगा देशभक्ति का संदेश

जयपुर (हिंस)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रदेश में उत्सव का माहौल बने और प्रदेशवासियों में गर्व की भावना का संचार हो, इसके लिए 10 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान आयोजित किया जाएगा। अभियान के तहत जयपुर जिला परिषद 70 हजार ध्वज वितरण का लक्ष्य पूरा करेगी। जिला प्रमुख रमा देवी चोपड़ा ने आमजन से हर घर तिरंगा अभियान के तहत अपने घर एवं संस्थान के भवनों पर तिरंगा फहराने की अपील की है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी नीलिमा तक्षक ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य गांव-गांव ढाणी-ढाणी तक देशभक्ति की भावना का संचार करना है। अभियान के तहत 10 अगस्त से 15 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त को जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं पंचायत समिति स्तर पर तिरंगा रैली का आयोजन किया जाएगा। वहीं, 11 अगस्त को तिरंगा बाइक, कार, साइकिल रैली का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने ने बताया कि प्रत्येक पंचायत समिति मुख्यालय पर 12 अगस्त को ग्रामीण मैराथन का आयोजन होगा, वहीं, 13 अगस्त एवं 14 अगस्त को देशभक्ति कार्यक्रम तिरंगा कॉन्सर्ट का आयोजन किया जाएगा। साथ ही उन्होंने बताया कि 10 से 15 अगस्त तक प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं पंचायत समिति स्तर पर

तिरंगा शपथ लेकर सेल्फी पर अपलोड किए जाएंगे। वहीं 13 से 15 अगस्त तक ग्राम पंचायत एवं पंचायत समिति के सभी घरों एवं संस्थानों के भवनों पर तिरंगा फहराकर सेल्फी पर अपलोड की जाएगी। 15 अगस्त को अमृत सरोवरों पर तिरंगा फहराकर सेल्फी ली जाएगी। इसके अतिरिक्त जय हिन्द, मेरा भारत महान एवं हर घर तिरंगा थीम पर कैनवास प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन का अभियान बनाने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सरकारी एवं गैर सरकार संस्थाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, हर घर तिरंगा के तहत आयोजित होने वाले समस्त कार्यक्रमों में भारतीय ध्वज संहिता की पालना सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी किए गए हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो : विश्व हिंदू परिषद

जयपुर (हिंस)। विश्व हिंदू परिषद राजस्थान के क्षेत्रीय मंत्री सुरेश उपाध्याय ने कहा कि पड़ोसी बांग्लादेश हिंसा और अराजकता से ग्रसित है। निर्वाचित प्रधानमंत्री के त्यागपत्र देने और देश छोड़ने के बाद अराजक तत्व हावी हो गए हैं और कानून व्यवस्था सर्वथा निष्प्रभावी हो चुकी है. इस अराजक स्थिति में वहां के आतंकवादी जिहादी तत्वों ने हिंदू समाज का बड़े पैमाने पर उत्पीड़न शुरू कर दिया है। उपाध्याय शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में पिछले

कई दिनों से हिंदू अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थानों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और घरों को नुकसान पहुंचाया गया है। पूरे बांग्लादेश में हर जिले में यह वीभत्स कुकृत्य होने की सूचना है। कट्टरपंथियों के निशाने से शमशान तक नहीं बचे हैं। मंदिरों को भारी क्षति पहुंचाई गई है। बांग्लादेश में शायद ही कोई जिला बचा हो जो इनकी हिंसा व आतंक का निशाना न बना हो। समय समय पर निरंतर अंतराल पर होने वाले ऐसे दंगों का ही परिणाम है कि बांग्लादेश में हिंदू जो विभाजन के समय 32 प्रतिशत थे, अब आठ फीसदी से भी कम बचे हैं और वे भी लगातार जिहादी उत्पीड़न के शिकार हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं के घर, मकान, दुकान, ऑफिस, व्यवसायिक प्रतिष्ठान व महिलाएं, बच्चे व उनकी आस्था व विश्वास के केंद्र मन्दिर तक सुरक्षित नहीं हैं। वहां पीड़ित अल्पसंख्यक हिंदुओं की हालत बद से भी बदतर होती जा रही है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति अत्यंत चिंतनीय है। उन्होंने कहा कि विश्व समुदाय की यह जिम्मेदारी है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा व उनके मानवाधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी कार्यवाही करें। उपाध्याय ने कहा कि निश्चय ही भारत इस परिस्थिति में आंखे मूंद कर नहीं रह सकता।

एससी-एसटी वर्ग को लेकर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले पर सरकार संविधान संशोधन बिल लाए : मायावती

लखनऊ (हिंस)। एससी-एसटी वर्ग को लेकर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को संविधान संशोधन के जरिए निष्प्रभावी करने की मांग बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने की है। मायावती ने सोशल मीडिया के एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा शुक्रवार को उनसे भेंट करने गए भाजपा के एससी-एसटी सांसदों को यह आश्वासन देना कि एससी-एसटी वर्ग में क्रीमी लेयर को लागू नहीं करने तथा एससी-एसटी के आरक्षण में कोई उप-वर्गीकरण भी नहीं करने की उनकी मांगों पर गौर किया जाएगा, यह उचित व ऐसा किए जाने पर इसका स्वागत। किंतु अच्छा होता कि सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के समक्ष बहस में केंद्र सरकार की तरफ से एटार्नी जनरल द्वारा आरक्षण को लेकर एससी व एसटी में क्रीमी लेयर लागू करना तथा इनका उप-वर्गीकरण किए जाने के पक्ष में दलील नहीं रखी गयी होती, तो शायद यह निर्णय नहीं आता। सुप्रीम कोर्ट के एक अगस्त के निर्णय को संविधान संशोधन के जरिए जब तक निष्प्रभावी नहीं किया जाता तब तक राज्य सरकारें अपनी राजनीति के तहत वहां इस निर्णय का इस्तेमाल करके एससी-एसटी वर्ग का उप-वर्गीकरण व क्रीमी लेयर को लागू कर सकती हैं। अत: संविधान संशोधन बिल इसी सत्र में लाया जाए।

फरीदाबाद : मनु भाकर का घर पहुंचने पर हुआ स्वागत

फरीदाबाद (हिंस)। पेरिस ओलिंपिक में दो मेडल जीतकर लौटी शूटर मनु भाकर गुरुवार देर रात को फरीदाबाद स्थित अपने घर पहुंच गईं। ई-विजा टाउन सोसाइटी में पहुंचने पर मनु भाकर का सोसाइटी के लोगों ने जोरदार स्वागत किया। मनु के साथ सेल्फी लेने वालों की भीड़ लगी रही। इससे पहले उनको फूलों की मालाएं पहनाई गई। निशानेबाज मनु भाकर के स्वागत की तैयारी दो दिन पहल से ही सोसाइटी की आरडब्लयूए और अन्य लोग कर रहे थे। सोसाइटी के लोगों में मनु के आने का खासा उत्साह था। मनु भाकर देर रात करीब साढ़े दस बजे अपने माता-पिता और भाई के साथ दिल्ली से फरीदाबाद के सूरजकुंड स्थित ई-विजा सोसाइटी में अपने घर पहुंचीं। भाकर के सोसाइटी के गेट पर पहुंचने पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। गेट से ही मनु का स्वागत करते हुए लोग सोसाइटी के क्लब तक ले गए। वहां मनु का लोगों ने फूल मालाओं के साथ और पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। वहीं बच्चों ने मनु के साथ सेल्फी ली। इस दौरान मनु भाकर की मां सुमेधा भाकर और पिता रामकिशन, भाई अखिल भी साथ थे। मनु भाकर ने लोगों के इस प्यार को देखकर कहा कि आज उसे जो मुकाम मिला है,

माता-पिता के आशीर्वाद और लोगों के प्यार से मिला है। सोसाइटी में लोगों के स्वागत के बाद मनु अपने घर गई और कुछ देर बाद फिर से दिल्ली के लिए निकल गई। मनु भाकर का हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी चंडीगढ़ में स्वागत करेंगी। इस दौरान उनके माता-पिता भी मौजूद रहेंगे।

शिल्पकला को संजोने में महिलाओं की भागीदारी जरूरी : चौधरी

जोधपुर (हिंस)। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान में सस्टेनेबल फ्यूचर फॉर क्राफ्ट विषय पर शुक्रवार को नेशनल सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का उद्घाटन करते हुए जयपुर रग्स के फाउंडर एन के चौधरी ने कहा कि देश की शिल्पकला को संजोने की जरूरत है। इसमें महिलाओं की भागीदारी जरूरी है। अपने जीवन के संघर्षों की कहानी सुनाते हुए उन्होंने स्टूडेन्ट्स को कुछ नया सोचने और करने के लिए प्रेरित किया। दूसरे सत्र में मार्केट ट्रेंड एंड अपॉर्चुयुनिटी फॉर क्राफ्ट पर महेश हैंडीक्राफ्ट के अशोक चौहान ने कहा कि क्रिएटिव लोगों के लिए मार्केट हमेशा तैयार है, हमारे शिल्पकारों को अब आनलाइन मार्केट को समझ कर उसके लिए रणनीति बनाने की जरूरत है। आज देश में अपार संभावनाएं है हमें हमारे प्रोडक्ट को मार्केट में ले जाना आना चाहिए। पूरी दुनिया भारत के हैंडीक्राफ्ट को पसंद करती है। इस मौके पर संस्थान के निदेशक प्रो जीएचएस प्रसाद ने कहा कि निफ्ट की ओर से शिल्पकारों को मार्केट में अपने उत्पादों को बेचने के गुर सिखाए जा रहे है जिससे शिल्पकार भी डिजिटल के इस समय में अपने हैंडीक्राफ्ट को ग्लोबल लेवल पर बेच सकता है। इस दौरान सुंदर कला केंद्र के डिप्टी मैनेजर प्रवीण राज नायक और ओइनड्रिला मुखर्जी ने आर्टिजन के उत्पादों को खरीदने की अपील की। सेमिनार में आईआईएम उदयपुर के प्रोफेसर राजेश नानरपूझा ने स्मॉल बिजनेस मैनेजमेंट पर एक वर्कशॉप का आयोजन किया। इसके बाद परंपरागत शिल्प तकनीक और शिल्प को बढ़ावा देने पर पैनल डिस्कशन किया गया। इस सत्र की मोडेरेटर डॉ शीतल सोनी रही। फैशन डिजाइनर रूमा देवी ने कहा कि आज महिलाओं को आगे आने की जरूरत है।

गौशाला की बदहाली के विरुद्ध बजरंग दल-विहिप ने किया सड़क जाम

नवादा (हिंस)। जिले के एक मात्र गौशाला श्री गणेश गौशाला वारिसलीगंज की बदतर हालात के विरोध में शुक्रवार को विश्व हिंदु परिषद तथा बजरंग दल के कार्यकर्ता भड़क गए और सड़क पर हंगामा पसार दिया। दोनों संगठन के दर्जनों कार्यकर्ता नवादा-वारिसलीगंज पथ को गौशाला मोड़ के पास जामकर गुस्से का इजहार किया। सड़क जाम कर रहे कार्यकर्ता गौशाला की पुरानी कमेटी और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए सचिव से इस्तीफे की मांग कर रहे थे। सड़क जाम कर रहे विश्व हिंदू परिषद के मीडिया प्रभारी प्रमोद कुमार रवानी ने कहा कि 8 अगस्त की देर शाम पशु तस्कर से लगभग दो दर्जन पशुओं को स्थानीय थाना पुलिस के सहयोग से मुक्त करा गौशाला में रखा गया। अप्रैल 2024 में भी

वारिसलीगंज के पटेल चौक से तस्करी के लिए ट्रक से ले जाए जा रहे पशुओं को मुक्त करा गौशाला में रखा गया था, लेकिन गौशाला प्रबंधन द्वारा पशुओं के लिए चारा तक की व्यवस्था नहीं की जा रही है। जबकि इस गौशाला के नाम करोड़ों की संपत्ति है। विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ता चंदा मांगकर चारा बगैरह की व्यवस्था कर रहे हैं। लेकिन कितने दिनों तक चंदा से पशुओं का चारा की व्यवस्था हमलोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पहले से ही गौशाला में लगभग एक दर्जन पशु को रखा गया है और अब गुरुवार की रात्रि पकड़े गए पशुओं के चारा की व्यवस्था करना मुश्किल हो रहा है।

डाक प्रमंडल के सभी डाकघरों में तिरंगा की बिक्री प्रारंभ

सहरसा (हिंस)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा लहराने को लेकर डाक विभाग ने पूरी तैयारी की है। शनिवार से डाक प्रमंडल के सभी डाकघरों में बिक्री के लिए तिरंगा उपलब्ध रहेगा। लोग निर्धारित राशि 25 रुपया देकर तिरंगा झंडा खरीद सकेंगे। जानकारी देते डाक अधीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि डाक प्रमंडल के सभी प्रधान डाकघर, 50 उप डाकघर एवं 530 शाखा डाकघर में तिरंगा उपलब्ध कराया गया है। जिसका मूल्य मात्र 25 रुपया निर्धारित है। सभी ग्राहक तिरंगा की खरीददारी अपने नजदीकी डाकघर या ऑनलाइन भी कर सकते हैं। सभी ऑनलाइन बुकिंग के डिलवरी बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के 24 घंटे के अंदर ग्राहक को किया जा रहा है।

गंगाजल लाने के लिए जयपुर से रथ हरिद्वार रवाना

जयपुर (हिंस)। राजधानी जयपुर में सावन के चौथे सोमवार यानी 12 अगस्त को सोडाला नंदपुरी स्थित श्री सिद्धेश्वर महादेव - हनुमान मंदिर में हरिद्वार से लाए गंगाजल से भगवान शिव का महा शिवाभिषेक किया जाएगा। इसके साथ ही कैलाश मानसरोवर, सरयू, गंगा, यमुना, नर्मदा, गंगा सागर, बद्रीनाथ, पुष्कर, और रामेश्वरम से भी पवित्र जल की व्यवस्था की गई है। हरिद्वार से अभिषेक के लिए टैंकर के जरिए गंगाजल मंगवाया जा रहा है। इसे लेकर मंदिर महंत आचार्य अवधेश दास महाराज ने गंगाजल लाने के लिए जयपुर से रथ को रवाना किया और जयपुर में गंगाजल का स्वागत ढोल नगाढ़ों के साथ किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजक पंकज ओझा ने बताया कि सावन के चौथे सोमवार यानी 12 अगस्त को दिन मंदिर में सुबह

5 बजे से दोपहर 2 बजे तक भगवान भोलेनाथ का शिव महाभिषेक किया जाएगा। इसके लिए कई प्रमुख तीर्थस्थलों से पवित्र जल मंगाए गए है। वहीं महाभिषेक के लिए हरिद्वार से 21 हजार लीटर पवित्र गंगाजल एक टैंकर में लाया जाएगा। इस आयोजन के लिए संतों की उपस्थिति में गंगाजल लाने के लिए गंगाजल रथ रवाना किया गया। पंकज ओझा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य आयोजक पंकज ओझा ने बताया कि यह भव्य कार्यक्रम अवधेश दास महाराज के पावन सानिध्य में सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर स्वेज फार्म, सोडाला में सुबह 5 से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगा। साथ ही महादेव का अभिषेक भगवान भोलेनाथ को प्रिय और पवित्र औषधियों जैसे विजया, प्रियंगु, नागकेसर, इत्र, दूध, शहद आदि से दिव्य वेद मंत्रों के साथ किया जाएगा। साथ ही मंदिर में बेलपत्र और शमी पत्र की भी निशुल्क व्यवस्था की जा रही है। वहीं इस कार्यक्रम के लिए किसी से भी कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। सभी जयपुरवासी इस दिन यहां आकर हरिद्वार से लाए इस गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक कर सकेंगे। यह आयोजन भगवान शिव के आशीर्वाद को प्राप्त करने और धर्म के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए किया जा रहा है।

लोकसभा में बैंकिंग कानून में संशोधन से जुड़ा विधेयक पेश

नई दिल्ली।
केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को लोकसभा में बैंकिंग नियमों में बदलाव से जुड़ा बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया। विधेयक का उद्देश्य भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, बैंकिंग विनियमन अधिनियम और भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम में संशोधन करना है।

वित्त मंत्री के पेश इस बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 में प्रति बैंक खाते में नामांकित व्यक्तियों के विकल्प को मौजूदा एक से बढ़ाकर चार करने का प्रावधान है। इस विधयेक में पत्नी/पति या माता-पिता के अलावा भाई-बहन को भी नॉमिनी बनाने का विकल्प मिलेगा।

बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 को पिछले हफ्ते केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी प्रदान की थी। इसके तहत भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम 1934, बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम 1955, बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम 1970 और बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम, 1980 में संशोधन करने का प्रस्ताव है।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2023-24 के बजट भाषण में बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 की घोषणा की थी।

सीबीडीटी आयकर बकाये की वसूली के लिए अभियान शुरू करेगा

मुंबई। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कहा है कि वह लंबित आयकर बकाये की वसूली के लिए अभियान शुरू करने की तैयारी कर रहा है। विभाग ने सितंबर के आखिर तक ऐसे 5,000 बड़े मामलों की पहचान करने के लिए एक विशेष टीम का गठन करेगा। ये मामले कुल बकाया करों के लगभग 60 फीसदी हिस्से के लिए जिम्मेदार होंगे। यह कार्रवाई सीबीडीटी की केंद्रीय कार्ययोजना का हिस्सा है, जिसमें अधिकारियों को पुराने कर मामलों को प्राथमिकता के साथ निपटाने के निर्देश दिए गए हैं। इस संदर्भ में सीबीडीटी ने जोर दिया है कि पिछली कर मांगों को निपटाने के लिए गंभीर प्रयासों की आवश्यकता है और इसके लिए लक्ष्यों को तय किया गया है। इन मामलों में करदाताओं को पहले ही नोटिस भेजे जा चुके हैं लेकिन विभिन्न कारणों से अभी तक भुगतान नहीं किया गया है। कानूनी मुकदमे, कंपनियों का बंद होना, करदाताओं का पता नहीं लग पाना और स्रोत पर कर कटौती में विसंगतियों के कारण ऐसे मामलों की संख्या बढ़ गई है। इसके अलावा कुछ मामलों पर अदालतों या न्यायाधिकरणों द्वारा रोक लगाने का आदेश भी दिया गया है। 1 अप्रैल तक लंबित कर बकाया 43 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जबकि 1 अप्रैल, 2023 में यह 24 लाख करोड़ रुपए था। सीबीडीटी ने अपनी कार्ययोजना में इसे अत्यधिक वृद्धि बताते हुए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया है।

न्यूज ब्रीफ

एसबीआई को चालू वित्तीय वर्ष में 7 फीसदी वृद्धि दर रहने का अनुमान

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपनी एक सालाना रिपोर्ट में देश की वास्तविक जीडीपी की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में 7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। यह आंकड़ा भारतीय रिजर्व बैंक के 7.2 फीसदी के अनुमान से थोड़ा कम है। स्टेट बैंक ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में बताया कि वृद्धि दर में 20 आधार अंकों की गिरावट का कारण वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चतता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमें वास्तविक सकल घरलू उत्पाद की वृद्धि दर वित्तीय वर्ष 2024-25 में 7 फीसदी रहने का अनुमान है। अनुमानों में कटौती का आधार वैश्विक स्तर पर बढ़ी हुई अनश्चितताएं हैं। रिपोर्ट में गिरावट के बावजूद यह कहा गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत विकास प्रदर्शित कर रही है और इस साल सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बने रहने की उम्मीद है। एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025 के लिए उसका जीडीपी अनुमान कई सकारात्मक कारकों पर आधारित है, जिसमें लाभांश द्वारा समर्थित राजकोषीय बफर में वृद्धि, मानसून की स्थिति में सुधार के कारण कृषि गतिविधि में प्रत्याशित रिकवरी और मजबूत विनिर्माण गतिविधि के बीच निजी पूंजीगत व्यय में वृद्धि शामिल है।

ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का शेयर निर्गम मूल्य से 11 फीसदी उछलकर हुआ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का शेयर शुक्रवार को अपने निर्गम मूल्य 76 रुपये से सपाट शुरुआत की और बाद में 20 फीसदी की उछाल प्राप्त की। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी का शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर अपने इश्यू प्राइस से 0.01 फीसदी के डिस्काउंट के साथ 75.99 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ है। हालांकि, कारोबार के दौरान यह 20 फीसदी उछलकर 91.18 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 6 अगस्त तक खुला हुआ था। कंपनी आईपीओ के जरिए 6,145.56 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 5,500 करोड़ रुपये तक के ताजा शेयर जारी कर रही है, जबकि कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए 645.56 करोड़ के 84,941,997 शेयर बेच रहे हैं। उल्लेखनीय है कि देश में ओला इलेक्ट्रिक ईवी और ईवी कंपोनेंट के लिए वर्टिकली इंटीग्रेटेड टेक्नोलॉजी और मैन्युफैक्चरिंग कैपेबिलिटीज का निर्माण करने वाली एक प्योर ईवी कंपनी है। भाविश अग्रवाल की अगुवाई वाली इस कंपनी का बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) शुरुआती कारोबार में 36,742.21 करोड़ रुपये था।

झोपड़पट्टी पुनर्विकास प्राधिकरण ने बिल्डरों से वसूले 700 करोड़

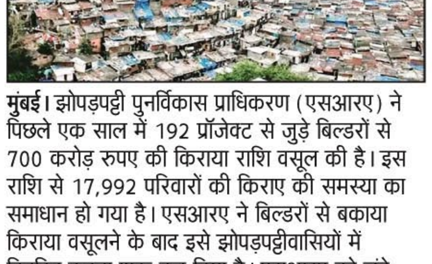

मुंबई। झोपड़पट्टी पुनर्विकास प्राधिकरण (एसआरए) ने पिछले एक साल में 192 प्रॉजेक्ट से जुड़े बिल्डरों से 700 करोड़ रुपए की किराया राशि वसूल की है। इस राशि से 17,992 परिवारों की किराए की समस्या का समाधान हो गया है। एसआरए ने बिल्डरों से बकाया किराया वसूलने के बाद इसे झोपड़पट्टीवासियों में वितरित करना शुरू कर दिया है। एसआरए को लंबे समय से बिल्डरों के खिलाफ यह शिकायतें मिल रही थीं कि प्रॉजेक्ट के लिए घर तोड़ने के बाद भी झोपड़ाधारकों को किराया नहीं दिया जा रहा था। इसके बाद एसआरए ने 2023 में एक विशेष मुहिम शुरू की, जिसमें बकाया किराए की वसूली पर जोर दिया गया। 2023 तक बकाया किराया 600 करोड़ रुपए तक पहुंच चुका था। एसआरए के प्रवक्ता के अनुसार, इस विशेष मुहिम के तहत जुलाई 2024 तक 700 करोड़ रुपए की वसूली की गई है। शिकायतें मिलने पर बकाया किराया न देने वाले बिल्डरों को नोटिस भेजी जा रही हैं। नोटिस के बाद भी यदि किराया जमा नहीं होता, तो संबंधित प्रॉजेक्ट और बिल्डरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। एसआरए के सैकड़ों प्रॉजेक्ट कई वर्षों से अटके पड़े हैं। एसआरए की अनुमति मिलने के बाद बिल्डरों ने प्रॉजेक्ट के नाम पर हजारों झोपड़ियों को तोड़ दिया, लेकिन कुछ महीनों तक किराया देने के बाद, कई बिल्डरों ने हजारों परिवारों का किराया रोक दिया।

शेयर मार्केट में आया जबरदस्त उछाल, निवेशकों ने कमाए 4.42 लाख करोड़

वैश्विक सपोर्ट से बुलंदी पर शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी

नई दिल्ली।

पॉजिटिव ग्लोबल संकेतों के कारण शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार में भी निवेशकों का जोश बुलंदी पर रहा। शुक्रवार को कारोबार की शुरुआत जोरदार मजबूती के साथ हुई थी। दिन के कारोबार में मुनाफा वसूली शुरू होने के कारण बाजार में मामूली गिरावट भी आई। इसके बावजूद पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 1.04 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे।

पूरे दिन के कारोबार के बाद शुक्रवार को बीएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। कैपिटल गुड्स, रियल्टी, आईटी, ऑटोमोबाइल, पावर, पीएसयू बैंक और मीडिया इंडेक्स में शुक्रवार को एक से दो प्रतिशत तक की मजबूती दर्ज की गई। ब्रॉडर मार्केट में भी शुक्रवार को लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.79 प्रतिशत की तेजी के साथ शुक्रवार को कारोबार का अंत किया।

शुक्रवार को बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन शुक्रवार को कारोबार के बाद बढ़ कर 450.17 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 445.75 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को शुक्रवार को कारोबार से करीब 4.42 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

शुक्रवार को दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,006 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,332 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,571 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 103 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में शुक्रवार को 2,352 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,442 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान और 910 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 28 शेयर बढ़त के साथ और 2 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 44 शेयर हरे निशान में और 6 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स शुक्रवार को 1,098.02 अंक उछल कर 79,984.24 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 400 अंक से अधिक टूट कर 79,549.09 अंक तक आ गया। हालांकि पहले घंटे का कारोबार होने के बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। पूरे दिन की खरीद-बिक्री के बाद सेंसेक्स 819.69 अंक की बढ़त के साथ 79,705.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने शुक्रवार को 269.85 अंक की छलांग लगा कर 24,386.85 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर ये सूचकांक 302.75 अंक की मजबूती के साथ 24,419.75 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में भी गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 250.50 में अंक की तेजी के साथ 24,367.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिनभर हुई खरीद-बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से आयशर मोटर्स 5.54 प्रतिशत, ओएनजीसी 3.05 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 2.99 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 2.74 प्रतिशत और टाटा मोटर्स 2.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ शुक्रवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, बीपीसीएल 1.45 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ 1.12 प्रतिशत, कोटक महिंद्रा 0.17 प्रतिशत, सन फार्मास्युटिकल्स 0.10 प्रतिशत और डिवीज लेबोरेट्रीज 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ शुक्रवार को के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

सराफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार, चांदी में मामूली कमजोरी

नई दिल्ली।
घरेलू सराफा बाजार में शुक्रवार को लगातार सोना सपाट स्तर पर कारोबार कर रहा है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सराफा बाजार में सोना गुरुवार के भाव पर ही बिक रहा है। सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 69,410 रुपये से लेकर 69,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी सराफा बाजारों में 63,640 रुपये से लेकर 63,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में शुक्रवार को मामूली गिरावट आई है। इस गिरावट के कारण दिल्ली सराफा बाजार में चांदी 81,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना शुक्रवार को 69,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 63,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 69,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 63,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 69,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 63,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना 69,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 63,540 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 69,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 63,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना 69,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 63,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 69,310 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 63,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 69,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 63,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी सोने के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 69,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 63,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

नष्ट हो जाएंगे 2 करोड़ के सैकड़ों फ्लैट, चिंटल सोसाइटी का एक और टावर खाली करने के आदेश

नई दिल्ली।
गुरुग्राम के सेक्टर में स्थित चिंटल पैराडिसो सोसाइटी के एक और टावर को खाली करने का आदेश दिया गया है। दरअसल स्ट्रक्चरल ऑडिट में जे टावर को असुरक्षित घोषित किया गया है इसलिए इस टावर में रहने वाले लोगों को फ्लैट खाली करने को कहा गया है। इस मामले में जिला कलेक्टर और जिला आपदा प्रबंधन ने आदेश जारी करते हुए 15 दिनों के अंदर लोगों से फ्लैट खाली करने को कहा है। इससे पहले भी गुरुग्राम जिला प्रशासन ने सेक्टर 109 में चिंटेल्स पैराडिसो कॉम्प्लेक्स के डेवलपर को असुरक्षित समझे जाने वाले 5 आवासीय टावरों को ध्वस्त करने की अनुमति दी थी। दरअसल 10 फरवरी, 2022 को सोसायटी में टॉवर डी की छठवीं मंजिल के फ्लैट में रेनोवेशन के दौरान बेडरूम की छत गिर गई। इस घटना में दो निवासियों की मौत हो गई। इसके बाद हरियाणा के टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग ने पूरे हाउसिंग कॉम्पलेक्स के स्ट्रक्चरल ऑडिट का आदेश दिया। इस बारे में आईआईटी-दिल्ली

द्वारा तैयार की गई एक रिपोर्ट के आधार पर गुरुग्राम प्रशासन ने इस परिसर के 9 में से पांच टावर को असुरक्षित माना। इनमें टावर डी, ई, एफ, जी और एच टावर रहने के लिए असुरक्षित बताए गए और इन्हें गिराने को कहा गया लेकिन, अब एक और टावर जे टावर को भी अनसेफ घोषित कर दिया गया है। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग डिपार्टमेंट ने साल 2007 और 2008 में चिंटल लिमिटेड को लाइसेंस दिया था। गुरुग्राम के सेक्टर 109 में स्थित इस सोसायटी में 9 रिहायशी टावर और 532 फ्लैट्स हैं। एक वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस सोसाइटी में 3 बीएचके अपार्टमेंट की कीमत 1.75 करोड़ तो 4 बीएचके अपार्टमेंट का प्राइस सवा 2 करोड़ रुपये है।

देश की जीडीपी के 10 फीसदी के बराबर मुकेश अंबानी परिवार की संपत्ति?

नई दिल्ली।
उद्योगपति मुकेश अंबानी का परिवार सबसे बड़ा कारोबारी परिवार बन कर उभरा है। उनके परिवार की कुल संपत्ति 25.75 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है। ये राशि देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग 10वें हिस्से के बराबर है।

बार्कलेज-हुरुन इंडिया की ताजा रिपोर्ट में मुकेश अंबानी परिवार की कुल 25,75,100 करोड़ रुपये की संपत्ति आंकी गई है, जो भारत की जीडीपी के 10 फीसदी के बराबर है। अंबानी परिवार आरआईएल के नेतृत्व में ऊर्जा, रिटेल और दूरसंचार क्षेत्रों में मुख्य तौर पर अपना कारोबार करता है। यह रैंकिंग 20 मार्च, 2024 को कंपनी के मूल्यांकन पर आधारित है।

बार्कलेज-हुरुन इंडिया के मुताबिक मुकेश अंबानी परिवार के बाद सबसे ज्यादा संपत्ति रखने वाला दूसरा कारोबारी परिवार है बजाज, जिनकी कुल संपत्ति 7.13 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है। इस ऑटोमोबाइल कारोबारी समूह का नेतृत्व बजाज परिवार की तीसरी पीढ़ी के युवा नीरज बजाज के हाथों में है। वहीं, बिड़ला परिवार की संपत्ति मूल्य के मामले में तीसरे स्थान पर है। इस समूह की कमान बिड़ला परिवार की चौथी पीढ़ी के कुमार मंगलम बिड़ला संभाल रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक इन तीनों प्रमुख कारोबारी परिवारों की कुल संपत्ति 460 अरब अमेरिकी डॉलर है, जो सिंगापुर की जीडीपी के बराबर है। इस सूची में सज्जन जिंदल को 4.71 लाख करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति के साथ चौथे पायदान तथा 4.30 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ नादर परिवार 5वें स्थान पर है।

ग्लोबल मार्केट से मिले पॉजिटिव कारोबार के संकेत

एशिया में तेजी का रुख, जबकि यूरोपीय बाजार में मिले-जुले परिणाम

नई दिल्ली।
ग्लोबल मार्केट से शुक्रवार को पॉजिटिव संकेत हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार शानदार मजबूती दिखाते हुए हरे निशान में बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। दूसरी ओर, यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिका बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 119.81 अंक यानी 2.30 प्रतिशत उछल कर 5,319.31 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 464.22 अंक यानी 2.87 प्रतिशत कि छलांग लगा कर 16,660.02 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 39,495.99 के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। हालांकि आखिरी सत्र में खरीदारी का सपोर्ट मिलने की वजह से यूरोपीय बाजार मिले-जुले परिणाम के साथ बंद होने में सफल रहे। एफटीएसई इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,144.97 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.26 प्रतिशत फिसल कर 7,247.45 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, डीएएक्स इंडेक्स 0.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ 17,680.40 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी शुक्रवार को चौतरफा तेजी का माहौल नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 8 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स में कोई कारोबार नहीं हो रहा है। गिफ्ट निफ्टी 316.50 अंक यानी 1.31 प्रतिशत उछल कर 24,417 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 1.33 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,590.69 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

ताइवान वेटेड इंडेक्स ने शुक्रवार को बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 655.37 अंक यानी 3.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ 21,525.47 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 299.60 अंक यानी 1.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,191.43 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। निक्केई इंडेक्स में भी शानदार तेजी नजर आ रही है।

फिलहाल ये सूचकांक 359.05 अंक यानी 1.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 35,190.20 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.46 प्रतिशत उछल कर 1,302.18 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.79 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,251.68 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,873.47 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

ई-कॉमर्स क्षेत्र त्योहारों से पहले करेगा 12.5 लाख नियुक्तियां

मुंबई। त्योहारी सीजन के दौरान मांग में बढ़ोतरी होने की संभावनाओं को देखते हुए ई-कॉमर्स क्षेत्र 12.5 लाख भर्तियां करने पर विचार कर रहा है इनमें 10 लाख अस्थायी और 2.5 लाख अनुबंधित कर्मचारियों को नियुक्ति हो सकती है। टीमलीज सर्विसेज ने कहा कि त्योहारी सीजन में ई-कॉमर्स उद्योग की बिक्री में 35 फीसदी वृद्धि की उम्मीद है। टीमलीज सर्विसेज के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह भर्ती न सिर्फ रोजगार सृजन में ई-कॉमर्स क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है, बल्कि 2025 तक 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के भारत के लक्ष्य में इसके महत्वपूर्ण योगदान को भी दर्शाता है।

पेरिस ओलंपिक : समापन समारोह में भारतीय दल के ध्वजवाहक होंगे मनु भाकर और पीआर श्रीजेश

नई दिल्ली।
बुधवार को फ्रांस की राजधानी में स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक के साथ अपना अभियान समाप्त करने वाली भारतीय हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश 11 अगस्त को पेरिस 2024 ओलंपिक के समापन समारोह के दौरान मनु भाकर के साथ भारत के ध्वजवाहक होंगे।

36 वर्षीय श्रीजेश 2021 में टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के भी सदस्य थे। आईओए ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) को पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर के साथ संयुक्त ध्वजवाहक के रूप में हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश के नामांकन की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।'

आईओए अध्यक्ष डॉ पीटी उषा ने कहा कि श्रीजेश आईओए नेतृत्व के भीतर एक भावनात्मक और लोकप्रिय पसंद थे, जिसमें शेफ डी मिशन गगन नारंग और संपूर्ण भारतीय दल शामिल थे।

उन्होंने कहा, 'श्रीजेश ने दो दशकों से अधिक समय तक विशेष रूप से भारतीय हॉकी और सामान्य तौर पर भारतीय खेल की सराहनीय सेवा की है।'

डॉ. उषा ने कहा कि उन्होंने भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा से बात की है, जिन्होंने गुरुवार को रजत पदक जीतकर लगातार ओलंपिक खेलों में दूसरा पदक जीता है।

उन्होंने कहा, 'मैंने नीरज चोपड़ा से बात की और उस सहजता और शालीनता की सराहना की जिसके साथ वह इस बात पर सहमत हुए कि श्रीजेश को समापन समारोह में ध्वजवाहक होना चाहिए।'

उन्होंने मुझसे कहा, 'मैम, अगर आपने मुझसे नहीं भी पूछा होता तो भी मैं श्रीभाई का नाम सुझाता।'

बता दें कि कुछ दिन पहले ही मनु के नाम का ऐलान हुआ था। भारत की आजादी के बाद वह एक ही ओलंपिक खेलों में कई पदक जीतने वाली पहली एथलीट बनीं। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल महिला और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम (सरबजोत सिंह के साथ) में कांस्य पदक जीता था।

न्यूज ब्रीफ

मैकलॉघलिन-लेवरोन ने विश्व रिकॉर्ड के साथ 400 मीटर बाधा दौड़ में जीता स्वर्ण

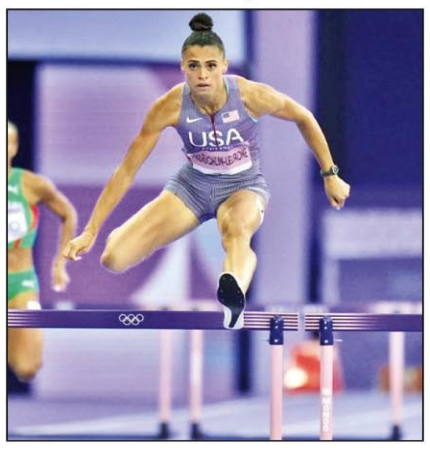

पेरिस। अमेरिकी खिलाड़ी सिडनी मैकलॉघलिन-लेवरोन ने गुरुवार देर रात 400 मीटर बाधा दौड़ में 50.37 सेकंड का समय लेकर अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया और अपना ओलंपिक खिताब बरकरार रखा। उन्होंने न केवल स्वर्ण पदक जीता, बल्कि छठी बार अपना ही विश्व रिकॉर्ड भी तोड़ दिया! उन्होंने 50.37 सेकंड में दौड़ पूरी की, और अपनी टीम की साथी, रजत पदक विजेता अन्ना कॉकरेल से 1.50 सेकंड आगे रहीं। डच महिला फेमके बोल ने कांस्य पदक जीता। जीत के बाद मैकलॉघलिन-लेवरोन ने कहा, ज़रूर, आपके आस-पास ऐसे प्रतियोगी होंगे जो कड़ी मेहनत करेंगे, लेकिन चाल यह है कि आप अपनी नज़र बाधाओं पर रखें और ध्यान केंद्रित रखें। मेरा लक्ष्य प्रत्येक बाधा को कुशलतापूर्वक पार करना और समय कम करना था।

ब्रिटेन में हिंसा के बीच श्रीलंका ने इंग्लैंड के साथ टेस्ट सीरीज पर सुरक्षा चिंता जताई

नई दिल्ली। श्रीलंका ने ब्रिटेन में चल रहे अप्रवासी विरोधी दंगों के बीच इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के समक्ष सुरक्षा संबंधी चिंता जताई है तथा खिलाड़ियों ने इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला से पहले सुरक्षा बढ़ाने का अनुरोध किया है। तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले ट्रेनिंग के लिए इंग्लैंड में मौजूद श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने अपने क्रिकेट बोर्ड से बेहतर व्यवस्था करने के लिए कहा है, क्योंकि रविवार को पूरी टेस्ट टीम के लंदन पहुंचने से पहले उनके पास सुरक्षा योजना नहीं है। इंग्लैंड में मौजूद एक श्रीलंकाई खिलाड़ी ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा, 'ज़्यादातर मुद्दे हमारी मौजूदा स्थिति से अलग हैं, लेकिन फिर भी सभी थोड़े चिंतित हैं। हम डिनर के लिए बाहर नहीं जा सकते या ऐसा कुछ नहीं कर सकते। ज़्यादातर हम होटल में ही रहते हैं। कोई भी परेशानी में नहीं पड़ना चाहता और न ही पिटना चाहता है।' खिलाड़ी ने कहा, 'हमने बोर्ड से कहा है कि मुख्य टीम के आने तक हमारे लिए कुछ सुरक्षा की मांग करें, लेकिन हमें अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।' श्रीलंका टीम के मैनेजर महिंदा हलंगोडा ने कहा कि उन्होंने मैनचेस्टर में अशांति की रिपोर्ट पढ़ने के बाद ईसीबी के समक्ष सुरक्षा मुद्दे को उठाया, जहां पहला टेस्ट निर्धारित है। हलंगोडा ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा, 'मैंने उनके समक्ष मुद्दा उठाया और ईसीबी ने बहुत जल्दी जवाब दिया और हमें अपने व्यापक सुरक्षा इंतजाम भेजे। हम दौरे पर उनकी ओर से भी सुरक्षा संपर्क रखेंगे।' 2022 में, श्रीलंका भी इंग्लैंड जैसी ही स्थिति में था, जब ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान ने द्विपक्षीय श्रृंखला के लिए संकटग्रस्त द्वीप राष्ट्र का दौरा करने पर नैतिक चिंता जताई थी।

हॉकी इंडिया ने कांस्य पर खुशी जताते हुए इनाम घोषित किया

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने पेरिस ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतने पर खुशी जताते हुए कहा है कि टीम के सभी सदस्यों को 15-15 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। भारतीय टीम ने यहां तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में स्पेन को 2-1 से हराया। हॉकी इंडिया ने सोशल मीडिया में लिखा ,'' हॉकी इंडिया पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले प्रत्येक खिलाड़ी को 15 लाख रूपये जबकि सहयोगी स्टाफ को साढे सात लाख रूपये का पुरस्कार देगा। भारतीय टीम ने लगाता दूसरी बार कांस्य पदक जीता है। पिछले बार हुए टोक्यो ओलंपिक में भी भारतीय टीम ने कांस्य जीता था। इसी के साथ ही ओलंपिक में ये भारतीय हॉकी टीम का 13वां पदक है। भारतीय टीम ने ओलंपिक में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को हराया था जबकि बेल्जियम से उसका मुकाबला बराबरी पर रहा था।

भारत की झोली में आया एक और पदक

पेरिस ओलंपिक में नीरज चोपड़ा ने रचा इतिहास, जीता सिल्वर मेडल

पेरिस।
पाकिस्तान के अरशद नदीम ने गुरुवार देर रात रात ओलंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए मेंस जैवलिन थ्रो का गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। भारत के नीरज चोपड़ा ने दूसरे स्थान पर रहकर सिल्वर मेडल अपने नाम किया। इस तरह नीरज चोपड़ा ट्रैक एंड फील्ड इवेंट में दो पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट भी बन गए। पिछले ओलंपिक खेलों के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने अपने दूसरे प्रयास में सर्वाधिक 89.45 मीटर दूर भाला फेंका जबकि अरशद नदीम ने 92.97 मीटर के साथ ओलंपिक रिकॉर्ड अपने नाम किया। आपको जानकर हैरानी होगी कि नीरज चोपड़ा ने 87.58 मीटर के के साथ तोक्यो ओलंपिक का स्वर्ण पदक जीता था जबकि उनका निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो उन्होंने 2022 में स्टॉकहोम डाइमंड लीग में रजत पदक जीतने के दौरान किया था। मगर दो मीटर ज्यादा फेंकने के बावजूद उन्हें सिल्वर से ही संतोष करना पड़ा।

नीरज चोपड़ा पर कैसे भारी पड़े अरशद?

इसस पहले नीरज चोपड़ा ने क्वालीफिकेशन राउंड में 89.34 मीटर भाला फेंक कर अपने प्रतिद्वंदियों को कड़ा संदेश दिया था, लेकिन आज की शाम पाकिस्तान के अरशद नदीम के नाम थी। पाकिस्तान ने आजतक ट्रैक एंड फील्ड में कोई ओलंपिक पदक नहीं जीता था और अब आया भी तो सीधा गोल्ड मेडल। अपने पहले प्रयास में फाउल करने वाले अरशद नदीम ने दूसरी बार में 92.97 की दूरी निकाली जबकि नीरज चोपड़ा भी पहली कोशिश में असफल रहे और उनका भी दूसरा प्रयास ही सर्वाधिक रहा। अरशद से पहले सिर्फ दो खिलाड़ियों ने ही पाकिस्तान को व्यक्तिगत स्पर्धाओं में पदक जिताए थे। मोहम्मद बशीर ने 1960 में हुए रोम ओलंपिक में कुश्ती का कांस्य पदक जीता था तो हुसैन शाह ने 1988 में सिओल ओलंपिक में मुक्केबाज का कांसा अपने नाम किया था।

ओलंपिक इतिहास में खिताब बरकरार से चूके नीरज चोपड़ा

आठ साल से इंटरनेशनल सर्किट में दम दिखा रहे 26 वर्षीय नीरज चोपड़ा अगर गोल्ड मेडल जीत जाते तो ओलंपिक इतिहास में खिताब बरकरार रखने वाले पांचवें पुरुष भाला फेंक खिलाड़ी बनते। ओलंपिक की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में अभी तक एरिक लेमिंग (स्वीडन, 1908 और 1912), जोन्नी माइरा (फिनलैंड, 1920 और 1924), चोपड़ा के आदर्श जान जेलेंजी (चेक गणराज्य, 1992 और 1996) और आंद्रियास टी (नॉर्वे, 2004 और 2008) की ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा में अपने खिताब का बचाव कर पाए हैं। दो मेडल जीतने वाले चौथे भारतीयभले ही नीरज चोपड़ा गोल्ड मेडल नहीं जीत पाए हो, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। दूसरे नंबर पर फिनिश करते ही वह स्वतंत्रता के बाद दो व्यक्तिगत ओलंपिक पदक जीतने वाले सिर्फ चौथे भारतीय खिलाड़ी बन गए। आजादी के बाद बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु (एक रजत और एक कांस्य), पहलवान सुशील कुमार (एक रजत और एक कांस्य) और निशानेबाज मनु भाकर (दो कांस्य) ही भारत के लिए दो ओलंपिक पदक जीत पाए हैं।

पेरिस ओलंपिक में सर्बिया को हराकर पुरुष बास्केटबॉल के फाइनल में पहुंचा अमेरिका

संयुक्त राज्य अमेरिका ने सर्बिया को 95-91 से हराया

पेरिस।
संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) ने 17 अंक से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए की कमी को शुक्रवार तड़के (भारतीय समयानुसार) सर्बिया को 95-91 से हराकर ओलंपिक पुरुष बास्केटबॉल के फाइनल में प्रवेश किया।

एनबीए के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर लेब्रोन जेम्स के नेतृत्व वाली और लगातार पांचवें ओलंपिक खिताब की तलाश में लगी अमेरिकी टीम का सामना फाइनल में फ्रांस से होगा, जिसने दूसरे सेमीफाइनल में मौजूदा विश्व कप चैंपियन जर्मनी को 73-69 से हराया।

यूएसए के लिए गोल्डन स्टेट वॉरियर्स के स्टार स्टीफन करी ने 36 अंक बनाए और एनबीए स्कोरिंग लीडर लेब्रोन जेम्स ने 16 अंक, 12 रिबाउंड और 10 असिस्ट के साथ ट्रिपल-डबल बनाया।

वहीं, तीन बार के एनबीए मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर जोकिक ने सर्बिया के लिए 17 अंक और 11 असिस्ट के साथ समापन किया, जिन्होंने शानदार बोगदान बोगदानोविक से 20 अंक प्राप्त किए।

सर्बिया को हराने के लिए यूएसए को चौथे क्वार्टर में बहुत प्रयास करना पड़ा। सर्बिया ने अधिकांश समय बढ़त बनाए रखी और चौथे क्वार्टर में 76-63 से आगे हो गया, लेकिन इसके बाद केविन ड्यूरेंट और डेविन बुकर ने वापसी की शुरुआत करने के लिए बैक-टू-बैक थ्री-पॉइंटर्स लगाए।

जोएल एम्बीड ने तीन-पॉइंट प्ले के साथ स्टेट्स को चार के भीतर ला दिया और जेम्स ने 3ः41 मिनट शेष रहते स्कोर 84-84 से बराबर कर दिया।

करी ने 2.24 मिनट शेष रहते थ्री-पॉइंटर लगाया और यूनाइटेड स्टेट्स को अपनी पहली बढ़त दिलाई। जेम्स ने ड्राइविंग लेअप के साथ पीछा किया, करी ने एक स्टील लिया और एक बास्केट के लिए ड्राइव किया जिसने यूएस की बढ़त को पांच तक पहुंचा दिया और अंततः यूएसए को फाइनल में पहुंचा दिया।

बीसीबी ने विश्व कप के आयोजन के लिए सुरक्षा की मांग करते हुए सेना प्रमुख को लिखा पत्र

ढाका।
देश की अंतरिम सरकार द्वारा आपातकाल लगाए जाने के बाद हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आगामी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप की मेज़बानी को लेकर आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल वाकर-उज-ज़मान को पत्र लिखा है। बीसीबी ने पत्र के जरिए टूर्नामेंट के आयोजन के लिए सुरक्षा आश्वासन मांगा है, जो वर्तमान में 27 सितंबर को अभ्यास मैचों के साथ शुरू होने वाला है।

इस बीच, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बांग्लादेश की स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रही है और उसने अन्य मेज़बान विकल्पों पर भी विचार किया है और टूर्नामेंट को स्थानांतरित किए जाने की स्थिति में, बांग्लादेश के समान समय क्षेत्र वाले देश को चुनने की संभावना है। भारत, यूएई और श्रीलंका इसकी ज़रूरतों को पूरा करते हैं।

गुरुवार को प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस, निर्वासित प्रधानमंत्री शेख हसीना की जगह लेने वाली अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार बन गए। देश से उनके जाने के बाद, बीसीबी के अध्यक्ष नजमुल हसन सहित कई बोर्ड निदेशक भी देश छोड़कर चले गए हैं, क्योंकि उन्हें हसीना की पार्टी अवामी लीग का समर्थन प्राप्त था। हालांकि, बोर्ड के कुछ अन्य निदेशक ढाका में ही रहते हैं और इस बड़े आयोजन की मेजबानी के संबंध में उम्मीद बनाए हुए हैं।

बीसीबी के अंपायर समिति के अध्यक्ष इफ्तिखार अहमद मिथु ने क्रिकबज से बातचीत में कहा, हम टूर्नामेंट की मेजबानी करने की कोशिश कर रहे हैं। ईमानदारी से कहूं तो देश में हमारे बीच बहुत अधिक लोग मौजूद नहीं हैं और गुरुवार (8 अगस्त) को हमने सेना प्रमुख को आईसीसी महिला टी20 विश्व कप की सुरक्षा के बारे में आश्वासन के लिए एक पत्र भेजा है, क्योंकि हमारे पास केवल दो महीने का समय बचा है।

उन्होंने कहा, आईसीसी ने दो दिन पहले हमसे संपर्क किया और हमने जवाब दिया कि हम जल्द ही उनसे संपर्क करेंगे। आज [अंतरिम] सरकार बनने के बाद भी हमें उन्हें सुरक्षा का आश्वासन देना है, क्योंकि यह बोर्ड या देश की कानून प्रवर्तन एजेंसी के अलावा किसी और द्वारा नहीं दिया जा सकता है और इसलिए हमने आज पत्र भेजा और उनसे [सेना] लिखित आश्वासन मिलने के बाद हम आईसीसी को सूचित करेंगे। विश्व कप के 18 दिनों में दस टीमों को 23 मैच खेलने हैं। ये मैच बांग्लादेश के दो स्थानों - ढाका में शेर-ए-बांग्ला राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और सिलहट में सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम - पर 3 से 20 अक्टूबर तक खेले जाएंगे।

एडिलेड टेस्ट से पहले भारत खेलेगा दो दिवसीय डे-नाइट अभ्यास मैच

नई दिल्ली।
भारत, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में होने वाले डे-नाइट टेस्ट से पहले दो दिवसीय पिंक बॉल वार्म-अप मैच खेलेगा, जब उसका सामना कैनबरा में प्रधानमंत्री एकादश से होगा। यह फ्लडलाइट मैच 30 नवंबर और 1 दिसंबर को मनुका ओवल में पहले और दूसरे टेस्ट के बीच के अंतराल में खेला जाएगा।

पिछले दो सत्रों में प्रधानमंत्री एकादश के मैच में चार दिवसीय मुकाबला होता था, जिसमें 2022 में वेस्टइंडीज (जो भी डे-नाइट मैच था) और 2023 में पाकिस्तान शामिल है, जो परंपरागत रूप से सीमित ओवरों का मैच रहा है, लेकिन भारत के मैच को केवल दो दिनों का कर दिया गया है।

2020-21 में ऑस्ट्रेलिया के अपने पिछले दौरे पर, भारत ने एडिलेड में दिन-रात्रि टेस्ट आठ विकेट से गंवा दिया था, जब वे दूसरी पारी में अपने सबसे कम टेस्ट स्कोर 36 पर ढेर हो गए थे, लेकिन ब्रिस्बेन में ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ भारतीय टीम ने 2-1 से श्रृंखला जीत ली थी। उस अवसर पर एडिलेड चार मैचों की श्रृंखला का पहला टेस्ट था - जो कोविड-19 सीमा बंद होने की चुनौतियों के बावजूद पूरा हुआ था - जबकि इस बार श्रृंखला पर्थ में शुरू होगी और इसमें पांच टेस्ट शामिल हैं।

कुल मिलाकर भारत ने सिर्फ चार दिन-रात्रि टेस्ट खेले हैं, जिसमें सबसे हालिया 2022 में बेंगलुरु में श्रीलंका के खिलाफ खेला गया था, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 12 (सभी घरेलू) मैच खेले हैं, जिसमें पिछले सीजन में ब्रिस्बेन में वेस्टइंडीज से आठ रन की हार शामिल है, जो गुलाबी गेंद के खिलाफ उनकी पहली हार थी।

हाल के सीज़न में प्रधानमंत्री की एकादश एक मजबूत टीम रही है जो प्रभावी रूप से ऑस्ट्रेलिया ए टीम रही है। मैट रेनशॉ ने पिछले दो मैचों में विशेष रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है, जिसमें उन्होंने वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के खिलाफ क्रमशः 81, 101 और नाबाद 136 रन बनाए हैं।

हालांकि, पिछले सीजन में मनुका ओवल की पिच की पाकिस्तान ने आलोचना की थी, क्योंकि यह बहुत धीमी और नीची थी और पर्थ में टेस्ट के लिए आदर्श तैयारी नहीं थी, हालांकि खराब मौसम ने ग्राउंडस्टाफ के लिए जीवन को मुश्किल बना दिया था। रात भर आए तूफान और कवर्स के फटने के बाद खेल का अंतिम दिन रद्द कर दिया गया।

भारत को 22 नवंबर को होने वाले पहले टेस्ट से पहले 15-18 नवंबर तक वाका में इंट्रा-स्क्वाड वार्म-अप करना है। वे न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया पहुंचेंगे। भारत ए की एक टीम अक्टूबर के अंत में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी और मैके और मेलबर्न में दो चार दिवसीय मैच खेलेगी।

रोहिदास को 4 करोड़ का देगी ओडिशा सरकार : मुख्यमंत्री

पेरिस।
पेरिस ओलंपिक में लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम को पूरे देश से प्यार मिल रहा है। तो वहीं उन पर इनामों की बारिश भी हो रही है। इसी बीच ओडिशा के सीएम मोहन चरण माझी ने भी भारतीय हॉकी टीम और उनके साथ गए स्टाफ मेंबर्स के लिए एक बड़ी घोषणा की है।

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने पर भारतीय पुरुष हॉकी टीम को बधाई दी और टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को 15 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल और पीआर श्रीजेश के आसान बचाव की बदौलत भारत ने पेरिस ओलंपिक में स्पेन को यवेस डू मनोइर स्टेडियम में 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीता। गौरतलब है कि भारत ने 1972 के म्यूनिख खेलों के बाद 52 वर्षों में पहली बार लगातार कांस्य पदक जीता है।

सीएम माझी ने की घोषणा- एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएम माझी ने घोषणा की कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कर्मचारियों के लिए 10 लाख रुपये का इनाम आवंटित किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि ओडिशा के अमित रोहिदास को 4 करोड़ रुपये का इनाम दिया जाएगा। सीएम माझी ने कहा, भारतीय हॉकी टीम ने स्पेन को हराकर कांस्य पदक जीता है, आने वाली पीढ़ी इस जीत को याद रखेगीज मैं अमित रोहिदास और अन्य सभी खिलाड़ियों को उनके प्रदर्शन के लिए बधाई देता हूं, और मैं यह भी घोषणा करता हूं कि सभी खिलाड़ियों को 15 लाख रुपये और स्टाफ को 10 लाख रुपये दिए जाएंगेज अमित रोहिदास को 4 करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

इस बीच, ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम से बात की। ओडिशा के पूर्व सीएम ने पेरिस में कांस्य पदक मैच में स्पेन को हराने के लिए हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम को बधाई दी। नवीन पटनायक ने फोन पर कहा, ओडिशा और पूरे भारत की ओर से भारतीय टीम को बहुत-बहुत बधाई, हमें आप पर बहुत गर्व है। बहुत-बहुत बढ़िया किया।

भारत के लिए अपना आखिरी मैच खेल रहे श्रीजेश भावनाओं से भरे मैदान पर उतरे और टीम के बाकी खिलाड़ी भी भारत के हॉकी इतिहास के इस महत्वपूर्ण अवसर का जश्न मनाने के लिए उनके साथ शामिल हुए। कोच क्रेग फुल्टन के नेतृत्व में भारत ने इतिहास रच दिया और ओलंपिक में लगातार दो कांस्य पदक जीते।

विवेक सागर 1 करोड़ रुपए देगी मध्यप्रदेश सरकार : डॉ. यादव

भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक्स 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया. उसने गुरुवार को स्पेन के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 2-1 से जीत दर्ज की. टीम इंडिया की जीत के बाद उसके लिए प्राइज मनी की घोषणा की गई. ओडिशा सरकार ने प्राइज मनी घोषित की है. अब मध्य प्रदेश सरकार ने भी बड़ा कदम उठाया है. एमपी के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने विवेक सागर प्रसाद के लिए 1 करोड़ रुपए का इनाम घोषित किया है. टीम इंडिया ने ओलंपिक्स में लगातार दूसरी बार ब्रॉन्ज मेडल जीता है. भारत ने इतिहास रचा है. उसने 52 सालों के बाद यह कारनामा किया है. टीम इंडिया की जीत के बाद उस पर पैसों की बारिश शुरू हो गई. मध्य प्रदेश के खिलाड़ी विवेक सागर को प्राइज मनी के तौर पर 1 करोड़ रुपए मिलेंगे. मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने यह घोषणा की है. उन्होंने विवेक से वीडियो कॉल के जरिए बात भी की. एमपी सीएम ने विवेक को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

जानकारी

कुर्मासन से करे कब्ज की समस्या दूर

अनियमित खानपान और जीवनशैली की सबसे अधिक मार पड़ी है पेट और पाचन तंत्र पर। ठीक समय पर खाना नहीं।खाने के बाद कोल्डड्रिंक पीना।खाने में पिज्जा खाना... सुबह-सुबह उठकर कॉफी पीना... ये सारी आदतें आपके पाचन तंत्र को कमजोर कर देती है । जिससे खाना अच्छी तरह से पचता नहीं है और कब्ज की समस्या होती है। आज शहर की आधी आबादी कब्ज की समस्या से जूझ रही है, जिससे राहत पाने के लिए कई लोग कई हकीमों और बाबाओं के चुर्णों का सेवन कर रहे हैं।अगर आप भी मन मसोस कर चुर्णों का सेवन कर रहे हैं तो ये कुर्मासन अभ्यास आपको इन चुर्णों और कब्ज से छुटकारा दिलाने में मददगार हो सकता है।

कब्ज के लिए कुर्मासन अभ्यास: अगर आप दस साल या दस दिन पुराने किसी भी तरह के गंभीर या हल्के कब्ज की समस्या से गुजर रहे हैं

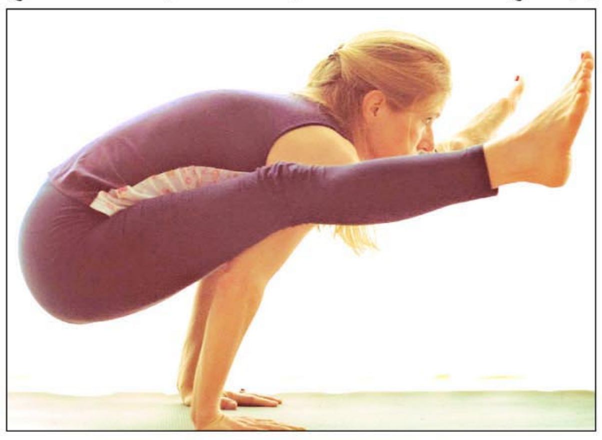

तो कुर्मासन का अभ्यास करिए। कब्ज से छुटकारा दिलाने में कुर्मासन काफी फायदेमंद साबित होता है।

क्यों है फायदेमंद

कुर्मासन अभ्यास से पूरे शरीर की स्ट्रेचिंग हो जाती है, जिससे शरीर का मेटाबॉलिज्म बढ़ता है और पाचन-तंत्र मजबूत होता है और खाना अच्छी तरह पच जाता है।

अन्य फायदे: इस आसन से रीढ़ की हड्ड़ी की अच्छी तरह से स्ट्रेचिंग हो जाती है जिससे अगर इंसान को पीठ व गले में दर्द की समस्या होती है तो छुटकारा मिलता है। इन सबके अलावा ये सिरदर्द के लक्षणों और दिमाग में हैप्पी हार्मोंस पैदा करने के कारण तनाव को भी कम करता है।कुर्मासन करने से पेट के आसपास एकत्र हुई चर्बी भी कम होती है।

ऐसे करें कुर्मासन का अभ्यास: सबसे पहले जमीन पर अपने दोनों पैर आगे की तरफ फैलाकर बैठ जाएं। फिर अपनी दोनों हाथों की हथेलियों को अपने हिप्स के सामांनातर जमीन पर रखें।

फिर हल्का-हल्का दबाव डालकर अपनी जांघों को जमीन पर दबाइए और अपने पांव को मोड़ते हुए नीचे जमीन की तरफ झुकिए। फिर धीरे-धीरे प्रयास कर अपनी छाती और गर्दन को ऊपर उठाएं। इसी स्थिति में कुछ देर तक सांस रोक कर रहें और ध्यान लगाएं। फिर धीरे-धीरे पहले वाली स्थिति में आएं। इस आसन को चार से पांच बार करें।

ये लोग इस आसन को ना करें

» जिन लोगों को या साइटिका और स्लिप डिस्क की समस्या है उन्हें ये आसन नहीं करना चाहिए।

» हर्निया और क्र ोनिक अर्थराइटिस के मरीजों को भी ये आसन करने से बचना चाहिए।

नोट- शुरुआत में इस आसन का अभ्यास अपनी शरीर की क्षमता के अनुसार ही करें।

मॉनसून में यूं रखें अपनी सेहत का ख्याल

बारिश की बूंदें, सुहाना मौसम और गर्मा गर्म पकौड़ों के अलावा कुछ और भी है जो इस मौसम में मिलता है और वह है इंफेक्शन और बीमारियां। लिहाजा मॉनसून में आप बीमार न पड़ें और इस मौसम का अच्छी तरह से मजा उठा सकें इसके लिए इन बातों का ध्यान रखें...

शरीर को साफ रखें

इन दिनों शरीर की साफ-सफाई का ज्यादा ध्यान रखें। जितना मुमकिन हो, शरीर को सूखा और फ्रेश रखें। बारिश में बार-बार भीगने से बचें। ऐंटिबैक्टीरियल साबुन से दिन में 2 बार नहाएं। बारिश में भीगने के बाद साफ पानी में डिसइंफेक्टेंट (डिटॉल, सैवलॉन आदि) मिलाकर अच्छी तरह नहाएं। दूसरों का तौलिया या साबुन शेयर न करें। बाहर से आकर हाथों को साबुन से अच्छी तरह से धोएं। खाना खाने से पहले भी हाथ जरूर धोएं।

बाहर का खाना न खाएं

इस मौसम में खाने में बैक्टीरिया जल्दी पनपता है। बाहर जाकर पानी पूरी, भेल पूरी, चाट, सैंडविच आदि खाने से बचें। कटे फल और सब्जियां खाने से भी इंफेक्शन का खतरा रहता है लिहाजा इनसे भी बचें। बाहर का जूस या पानी भी न पिएं। इस दौरान तेल-भुने खाने के बजाय हल्का खाना खाने की आदत डालें, जो आसानी से पच सके क्योंकि बरसात में गैस, अपच जैसी पेट की समस्याएं ज्यादा होती हैं। अपने पाचन तंत्र को बेहतर बनाने के लिए लहसुन, काली मिर्च, अदरक, हल्दी और धनिया का सेवन करें। बासी खाना खाने से भी बचें।

सब्जियों को अच्छी तरह धोएं

फल और सब्जियों को अच्छी तरह से धोएं खासकर पत्तेदार सब्जियों को क्योंकि इस मौसम में उनमें कई तरह के लार्वा और कीड़े होते हैं। हल्के गर्म पानी से सब्जी और फलों को धोएं, फिर उन्हें आधे घंटे तक नमक मिले पानी में भिगोकर रखें। सब्जियों को पकाने से पहले 5 मिनट उबाल लें तो और भी अच्छा है। इससे कीटाणु तो खत्म होंगे ही, फल-सब्जियों पर लगे आर्टिफिशल कलर और केमिकल भी हट जाएंगे। इसके अलावा सब्जियों को अच्छी तरह पकाएं। कच्चा या अधपका खाने का मतलब है कि आप बीमारियों को दावत दे रहे हैं।

पानी उबाल कर पिएं

मॉनसून में सिर्फ फिल्टर्ड और उबला हुआ पानी ही पिएं। ध्यान रखें कि पानी को उबाले हुए 24 घंटे से ज्यादा न हो। अपने फ्रिज की बोतलों को बदलने और हर तीसरे-चौथे दिन साफ करने की आदत डालें। इस मौसम में कई बार प्यास नहीं लगती फिर भी दिन में 8-10 गिलास पानी जरूर पिएं वरना शरीर में पानी की कमी हो सकती है।

हवादार कपड़े पहनें

मॉनसून में ढीले, हल्के और हवादार कपड़े पहनें। टाइट और ऐसे कपड़े न पहनें, जिनका रंग निकलता हो। ध्यान रखें कि कपड़े धोते हुए उनमें साबुन न रह जाए वरना स्किन इंफेक्शन हो सकता है। अगर बारिश में कपड़े भीग गए हैं तो फौरन बदल लें ताकि सर्दी-जुखाम न हो।

हेल्थ अलर्ट

गर्भनिरोधक गोलियों से भी बढ़ सकता है खतरा...

मोटापे के अलावा, गर्भ-निरोधक गोलियों और दूसरे कारकों- जैसे धूम्रपान, उच्च रक्तचाप या मधुमेह से महिलाओं में स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि गर्भ-निरोधक गोलियों से इस्कीमिक स्ट्रोक के खतरे में वृद्धि हुई है। इन गोलियों से रक्त का थक्का बन जाता है, जिससे दिमाग की रक्त वाहिनियों में अवरोध आ जाता है। जो महिलाएं गर्भ-निरोधक गोलियां लेती हैं, उनमें थोड़ा ज्यादा स्ट्रोक होने का खतरा होता है। यह खतरा महिला के गर्भधारण करने के दौरान और बढ़ जाता है, ज्यादा रक्तचाप बढ़ने से यह दिल पर दबाव डालता है। माइग्रेन भी महिलाओं में तीनगुना से ज्यादा स्ट्रोक को बढ़ा सकता सकता है। धूम्रपान करने वाली महिला को भी गर्भ-निरोधक गोलियां न लेने की सलाह दी जाती है, क्योंकि इससे स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

गंभीर स्थिति

स्ट्रोक एक गंभीर चिकित्सकीय आपात स्थिति है, जिससे अकाल मृत्यु और विकलांगता हो रही है। यह दिमाग में खून के प्रवाह के एक क्षेत्र में बंद होने से होता है, इसमें मस्तिष्क की कोशिकाओं को ऑक्सीजन नहीं मिलती और वे मरने लगती हैं। स्ट्रोक तब होता है, जब दिमाग के एक हिस्से में रक्त की आपूर्ति बंद हो जाती है। इससे दिमाग की इस इलाके की कोशिकाएं मरना शुरू हो जाती हैं। ऐसा उन्हें ऑक्सीजन और कार्य के लिए दूसरे जरूरी पोषक पदार्थ नहीं मिलने से होता है।

इस्कीमिक स्ट्रोक के अलावा एक हीमोरहाजिक स्ट्रोक होता जो एक रक्त वाहिका के फटने और मस्तिष्क में खून की वजह से होता है। गठिया रोग से जुड़ा हृदयरोग और एट्रियल फाइब्रिलेशन युवतियों में स्ट्रोक के प्रमुख कारक के रूप में उभर रहा है। जब दिमाग की कोशिकाएं स्ट्रोक की वजह से मरने लगती हैं तो उस इलाके में मस्तिष्क की याददाश्त और मांसपेशियों के नियंत्रण की क्षमता खत्म हो जाती है। स्ट्रोक का उपचार इसके प्रकार पर निर्भर करता है। एक इस्कीमिक स्ट्रोक से हुए नुकसान को दवाओं के जरिए ठीक किया जा सकता है, बशर्ते घटना के तीन घंटे के भीतर उपचार शुरू हो जाए। हीमोरहैजिक स्ट्रोक के उपचार में दिमाग में होने वाले रक्तस्राव को नियंत्रित किया जाता है।

मानसून में रखना है अपने मैकअप को बरकरार

तो अपनाएं ये आसान टिप्स

मैकअप आज हमारे लाइफस्टाइल का एक अभिन्न अंग बन चुका है। अत्यधिक सुंदरता और आकर्षक लुक पाने के लिए आज हर कोई इन मैकअप प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कर रहा है। लेकिन इस मानसून के मौसम में बारिश या पसीने के कारण मेकअप निकल जाने का अंदेशा बना रहता है। जिससे निजात पाने के लिए ऐसे कई तरीके है जिन्हें अपनाकर आप मानसून के मौसम में भी अपने मैकअप को बरकरार रख सकते है। भारती तनेजा की आल्प्स ब्यूटी क्लिनिक की कार्यकारी निदेशक और मेकअप विशेषज्ञ गुंजन गौर ने टिकाऊ मेकअप के संबंध में ये जानकारियां दी हैं

» मानसून में वाटरप्रुफ मेकअप उत्पादों का इस्तेमाल करना आसान उपाय है। आप चाहे तो टू-व काम्पैक्ट पाउडर और फाउंडेशन भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इसे आप हल्के गीले स्पॉन्ज से लगा सकती हैं या सूखे पाउडर के तौर पर भी लगा सकती हैं।

» हमेशा लिपस्टिक, मस्कारा और लाइनर का दो कोट लगाएं, ताकि ये ज्यादा देर तक टिके रहें।

» किसी भी उत्पाद को खरीदते समय उसके बारे में अच्छी तरह से पढ़ लें कि वह वाटरप्रुफ है या नहीं या कितने घंटे तक वह टिका रह सकता है।

» पाउडर ब्लश के बजाय आप क्रीम ब्लश इस्तेमाल कर सकती हैं। अगर आप थोड़ा और कलर व उभार चाहती हैं तो क्रीम ब्लश के ऊपर से पाउडर ब्लश लगाएं, ताकि यह आपके गालों पर ज्यादा देर तक टिका रहे, जो आपके चेहरे पर चमक व कलर लाने के साथ ही खूबसूरती भी बढ़ाता है।

खुशहाली के लिए लगायें मनी प्लांट

वास्तु शास्त्र के अनुसार हर पौधे के लिए एक दिशा निर्धारित होती है। यदि पौधे को उचित दिशा में लगाया गया तो वह सकारात्मक प्रभाव डालता है, वही यदि उसके उस पौधे का गलत दिशा में वृक्षारोपण किया गया तो वह नकारात्मक प्रभाव डालता है जिससे फायदा होने की बजाय नुकसान होने लगता है। इसलिए हम आपको मनी प्लांट लगाने की दिशा से लेकर रखरखाव तक की सारी जानकारी दे रहे हैं।

मनी प्लांट के लिए दिशा

» मनी प्लांट को दक्षिण-पूर्व दिशा में लगायें क्योंकि इस दिशा के देवता गणेश जी है। गणेश जी अमंगल का नाश करने वाले हैं। इसलिए मनी प्लांट को दक्षिण-पूर्व दिशा में लगाना उचित माना गया है।

» मनीप्लांट को कभी भी उत्तर-पूर्व दिशा में नहीं लगाना चाहिए। इससे आपको भारी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। इस दिशा में मनी प्लांट रखने पर आपको धनहानि हो सकती हैं।

» कभी भी मनी प्लांट को पूर्व-पश्चिम की दिशा में न लगाएं। इससे आपके दापत्यं जीवन में खटास आती है।

मनी प्लांट के लिए स्थान और देखभाल

» मनी प्लांट की बेलों को जमीन पर नहीं फैलाना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा आती है ।

» मनी प्लांट ऐसी जगह रखें जहां अधिक धूप ना हो।

» मनी प्लांट को घर के अंदर गमले में अथवा बोतल में पानी भरकर भी लगाया जा सकता है। लेकिन इस पानी को हर सप्ताह बदल देना चाहिए।

» यदि मनी प्लांट का पौधा मुरझा गया है तो इसे हटा देना चाहिए। सूखा हुआ मनी प्लांट शुभ नहीं माना जाता है।

रेसिपी

मेवे की गुझिया

सामग्री

तीन कप मैदा, एक चौथाई कप घी, चुटकीभर नमक, दो कप तेल, भरावन के लिए, दो कप घिसा सूखा नारियल, एक चौथाई कप बादाम, एक चौथाई कप पिस्ता, एक चौथाई कप काजू, थोड़े से खजूर, एक चौथाई कर किशमिश, एक चौथाई चम्मच दालचीनी पाउडर

विधि

एक बॉउल लें इसमें मैदा नमक और घी डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब इसमें पानी डालकर इसे नर्म गूंथ लें और गीले कपड़े से ढ़ककर रख दें फिर भरावन की सभी सामग्रियों को एक साथ बॉउल में मिक्स कर लें। फिर इस आटे की छोटी-छोटी लोई बना लें फिर एक छोटी सी कटोरी लें इसमें पानी और मैदे का पेस्ट बनाएं और अब उन लोईयों की पूड़ी बनाकर इसमें भरावन की सामग्री एक-एक चम्मच भर गुझिया के सांचे में रखे फिर इन गुझियों के किनारे से मैदे का पेस्ट लगाकर इसे अच्छी तरह से बन्द करें और सारी लोइयों से ऐसे ही गुझिया तैयार कर लें। अब इन गुझियों को साफ्ट कॉटन से ढ़कते जाएं फिर कढ़ाई में तेल गर्म करें और गर्म होने के बाद गैस को मीडियम आंच पर कर दें और इस तेल में फिर गुझिया तलें अब इन गुझियों को निकाल कर रखते जाएं। अब आपकी मेवे से बनी गुझिया तैयार है । अब आप इसे खुद भी खाएं और मेहमानो को भी खिलाएं

कश्मीरी पनीर मसाला

सामग्री

दो कप पनीर टुकड़ों में कटे हुए, एक चम्मच गरम मसाला पाउडर, आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, आधा चम्मच अदरक का पेस्ट, आधा चम्मच धनिया पाउडर, एक चौथाई चम्मच हल्दी पाउडर, एक चम्मच कटा हरा धनिया, आधा चम्मच जीरा, दो चम्मच तेल, चुटकीभर हींग, स्वादानुसार नमक

विधि

सबसे पहले एक पैन में तेल डालकर गर्म करें। जब ये गर्म हो जाएं तो इसमें पनीर के टुकड़े डालकर सुनहरा भूरा होने तक भून लें। इसके बाद एक बाउल में इन्हें निकाल लें। और इसमें लाल मिर्च पाउडर, अदरक का पेस्ट, हींग, धनिया पाउडर, हल्दी पाउडर और नमक मिलाकर 10 मिनट के लिए अलग रख दें।10 मिनट बाद पैन में तेल डालकर उसमें पनीर के टुकड़े और कम से कम 4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिलाएं और गैस की आंच धीमी कर दें। इसे ऐसे ही कम से कम 10 मिनट पकने दें। आपकी कश्मीरी चमन बनकर तैयार हैं। इसे आप सर्विंग बाउल में निकाल लें। इसे गार्निश करने के लिए इसके ऊपर हरा धनिया डालें और सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**